संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 222
पृष्ठ 8
शनिवार
03 मई 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दिल का हाल बयां करती हैं आंखें... विचार- राहुल से नहीं आतंकवाद से लड़ें खेल- प्लेऑफ की दौड़ से बाहर राजस्थान...

पीएम मोदी की केरल को 8900 करोड़ की सौगात

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केरल में विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह के उद्घाटन के दौरान विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक पर कटाक्ष किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर की मौजूदगी को देखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि थरूर के कार्यक्रम में मौजूद होने से कई लोगों में बेचैनी पैदा होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं मुख्यमंत्री (पिनाराई विजयन) से कहना चाहता हूं कि आप इंडिया गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं, शशि थरूर भी यहां बैठे हैं। उन्होंने कहा, आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद खराब करने वाला है। थरूर कांग्रेस के तिरुवनंतपुरम लोकसभा सांसद हैं, जो भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन

● विझिनजाम बंदरगाह देश को किया समर्पित
● आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद खराब करने वाला है, शशि थरूर के बहाने पीएम मोदी का इंडिया ब्लॉक पर तंज

(इंडिया) का एक प्रमुख सदस्य है। मोदी की टिप्पणी, हालांकि मजाक में कही गई, राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को परेशान करने के उद्देश्य से की गई प्रतीत होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय गहरे पानी वाले बहुउद्देशीय बंदरगाह के उद्घाटन समारोह के दौरान कांग्रेस सांसद शशि थरूर, केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात की। मोदी की यह टिप्पणी थरूर द्वारा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की कई मुद्दों पर की गई प्रशंसा के तुरंत बाद आई है, जिसमें रूस–यूक्रेन युद्ध पर भारत का रुख और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कूटनीतिक वार्ता को आगे बढ़ाना शामिल है। यहां तक कि राजीव चंद्रशेखर, जिन्होंने तिरुवनंतपुरम सीट पर थरूर के खिलाफ असफल चुनाव लड़ा था, ने हाल ही में थरूर को "कांग्रेस में कुछ समझदार लोगों में से एक" कहा था। भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष के रूप में चंद्रशेखर भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे, साथ ही राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास और केरल के कैबिनेट मंत्रियों सहित अन्य वरिष्ठ राजनीतिक नेता भी मौजूद थे।

बुजुर्ग अतीत की कड़ी और भविष्य के मार्गदर्शक होते हैं : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुजुर्गों को अतीत की कड़ी और भविष्य का मार्गदर्शक बताते हुए कहा है कि सभी को उनके मार्गदर्शन को महत्व देकर उनके बहुमूल्य सानिध्य का आनंद लेना चाहिए। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए पहल – 'सम्मान के साथ वृद्धावस्था' नामक कार्यक्रम में भाग लिया। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक कल्याण पोर्टल का शुभारंभ, वरिष्ठ नागरिक के लिए आवासों का वर्चुअल उद्घाटन, सहायक उपकरणों का वितरण और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा ब्रह्माकुमारी संगठन

के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि माता–पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। आमतौर पर परिवारों में देखा जाता है कि बच्चे अपने दादा–दादी के साथ बहुत सहज होते हैं। बुजुर्ग परिवार के लिए भावनात्मक स्तंभ की तरह काम करते हैं। जब बुजुर्ग अपने परिवार को फलते–फूलते देखते हैं तो वे भी शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक और भागदौड़ भरी जिंदगी में वरिष्ठ नागरिकों का सहयोग, प्रेरणा और मार्गदर्शन युवा पीढ़ी के लिए बेहद जरूरी है। वरिष्ठ नागरिकों के पास जो अनुभव और ज्ञान है, वह युवा पीढ़ी को जटिल चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकता है।

ईडी की चार्जशीट के बाद नेशनल हेराल्ड केस में बड़ा एक्शन, कोर्ट ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी।दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य प्रस्तावित आरोपियों को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के सवाल पर सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा कि आरोपपत्र में कमियों को दूर कर दिया गया है और अब मुद्दा यह है कि क्या भारतीय

नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 223 के तहत नोटिस जारी किया जाना चाहिए। जज ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अपने आरोपपत्र में नामित राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य लोगों को संज्ञान के समय सुनवाई का अधिकार है। मामले की अगली सुनवाई 8 मई को होगी। अदालत ने कहा कि मामला विचाराधीन चरण में है। इस चरण में अभियुक्तों को यह विशेष अधिकार है कि अदालत द्वारा उनके खिलाफ औपचारिक रूप से मामला उठाने का निर्णय लेने से पहले उनकी बात सुनी जाए। यह अधिकार धारा 223 के एक विशिष्ट प्रावधान से आता है, जो प्रक्रिया के इस प्रारंभिक चरण में अभियुक्तों को एक अद्वितीय (या स्व–विशिष्ट) कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है।

भारत में रह रहे 6 पाकिस्तानियों को वापस भेजने पर एससी ने लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जन्मे बेंगलुरु के एक व्यक्ति ने अपने परिवार के निर्वासन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। उनका दावा था कि वे भारतीय नागरिक हैं और उनके पास भारतीय पासपोर्ट और आधार कार्ड हैं। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को छह लोगों के परिवार के निर्वासन पर रोक लगा दी और अधिकारियों से कहा कि वे पाकिस्तान में निर्वासन जैसी कोई बलपूर्वक कार्रवाई न करें। परिवार पर आरोप है कि वे अपने पहचान दस्तावेजों के सत्यापन के आदेश तक अपने वीज़ा की अवधि से अधिक समय तक वहां रहे। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बढ़ते कूटनीतिक तनाव के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें से अधिकांश पर्यटक थे। वकील और याचिकाकर्ता दोनों की दलीलों पर विचार करने के बाद, पीठ ने सरकारी अधिकारियों को परिवार के सदस्यों के दस्तावेजों की जांच करने का निर्देश दिया ताकि उनकी भारतीय नागरिकता की वैधता निर्धारित की जा सके। मामले के मानवीय पहलू को देखते हुए, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने परिवार को यह स्वतंत्रता दी कि यदि वे दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया से असंतुष्ट हैं तो वे जम्मू–कश्मीर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय अहमद तारिक बट और उनके परिवार के पांच सदस्यों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि वैध भारतीय दस्तावेज होने के बावजूद उन्हें हिरासत में लिया गया और पाकिस्तान वापस भेजने के लिए वाघा सीमा पर ले जाया गया। पीठ ने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद, केंद्र ने 25 अप्रैल को एक अधिसूचना जारी की थी, जिसमें आदेश में उल्लिखित कुछ श्रेणियों को छोड़कर पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए थे और उनके निर्वासन के लिए विशिष्ट समय सीमा निर्धारित की गई थी। केंद्र ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा रद्द करने के निर्देश में कहा था, भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी मौजूदा वैध वीजा 27 अप्रैल 2025 से रद्द हो जाएंगे।

'मुसलमानों और कश्मीरियों के पीछे न पड़ें'

दिवंगत नेवी अफसर विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी की बड़ी अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल उन 26 लोगों में से एक थे, जो 16 अप्रैल को अपनी शादी के छह दिन बाद 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए थे। यह हमला उस समय हुआ जब नरवाल और उनकी पत्नी हिमांशी, जो अपने हनीमून पर थे, अनंतनाग जिले में स्थित एक खूबसूरत रिट्रीट में सैर कर रहे थे। 26 वर्षीय नरवाल को उनकी पत्नी के सामने ही गोली मार दी गई, जब आतंकवादियों ने उनके धर्म की पुष्टि की। अधिकारी को पूरे सैन्य सम्मान के साथ दफनाया गया और उनकी अस्थियों को 25 अप्रैल को हरिद्वार में हर की पौड़ी पर गंगा में विसर्जित किया गया। गुरुवार को, जो उनका 27वां जन्मदिन होता, दिवंगत अधिकारी की पत्नी ने एक ऐसे राष्ट्र के सामने एक भावनात्मक और साहसी अपील जारी की, जो अभी भी हमले की

बर्बरता को स्वीकार कर रहा है। गुरुग्राम की पीएचडी स्कॉलर हिमांशी नरवाल ने कहा, हम नहीं चाहते कि लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के खिलाफ जाएं। हम शांति चाहते हैं और केवल शांति। बेशक, हम न्याय चाहते हैं। लेफ्टिनेंट नरवाल 2022 में नौसेना में शामिल होने के बाद पिछले डेढ़ साल से कोच्चि में दक्षिणी नौसेना कमान में सेवा दे रहे थे। नौसेना ने एक आधिकारिक बयान में उन्हें एक "समर्पित और साहसी अधिकारी" बताया, जिन्होंने सम्मान के साथ अपने देश की सेवा की। पहलगाम हमले, जिसका भारतीय जांचकर्ताओं ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों से संबंध होने का पता लगाया है, ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच तनाव को काफी हद तक बढ़ा दिया है, अमेरिका ने दोनों देशों से शत्रुता को कम करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया है। गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दक्षिण एशिया में "शांति और सुरक्षा" बनाए रखने पर जोर देने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ अलग–अलग बातचीत की।

पाकिस्तान ने जम्मू–कश्मीर के पांच जिलों में बिना उकसावे के गोलीबारी की

जम्मू एजेंसी। पाकिस्तानी सेना ने जम्मू–कश्मीर के पांच जिलों में एक और दो मई की दरमियानी रात नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी कर एक बार फिर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। रक्षा प्रवक्ता ने शुक्रवार को यहां कहा कि एक–दो मई की दरमियानी रात को पाकिस्तानी सेना ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में कुपवाड़ा, बारामूला, पुंछ, राजौरी और जम्मू के अखनूर जिले के सामने नियंत्रण रेखा के पार चौकियों से बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की। उन्होंने कहा, "भारतीय सेना के जवानों ने संतुलित और समुचित तरीके से जवाब दिया।" इससे पहले, 30 अप्रैल को भी पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा के पार से नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर सेक्टरों के अलावा कश्मीर संभाग के बारामूला और कुपवाड़ा जिलों में तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से जम्मू के परगवाल और सांबा के रामगढ़ सेक्टरों में छोटे हथियारों से गोलीबारी की।

सिद्धरमैया का दावा, मुझे धमकी भरे फोन आए

पुलिस से दोषियों का पता लगाने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को खुलासा किया कि उन्हें भी धमकी भरे फोन कॉल आए हैं और उन्होंने पुलिस को जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने के लिए सतर्क कर दिया है। सिद्धारमैया ने मंड्या में संवाददाताओं से कहा, ष्मुझे भी धमकी भरे फोन आए हैं, क्या किया जा सकता है? मैंने इस मामले में पुलिस को सूचित कर दिया है कि इसके पीछे कौन है, इस पर कार्रवाई की जाए। हां, मुझे धमकी भरे फोन

आए हैं।ष विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर को कथित तौर पर धमकी भरे फोन आने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए सिद्धारमैया ने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस को निर्देश दिया गया है कि मंगलुरु में बदमाश सुहास शेट्टी की हत्या में शामिल अपराधियों का जल्द से जल्द पता लगाया जाए और उन्हें गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाए। सिद्धरमैया ने कहा कि उन्हें अभी तक हत्या का कारण पता नहीं चला है। उन्होंने कहा, "उसके (शेट्टी) बारे में कहा जाता है कि वह एक गुंडा था। इसकी जांच होनी चाहिए। हत्या के बाद मैंने कल पुलिस से बात की और हमने एडीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) को मंगलुरु भेजा है।" उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, "यह पूर्वनियोजित था या नहीं यह अभी पता नहीं चल पाया है। जांच पूरी होने के बाद ही इसका पता चल पाएगा। भाजपा हमेशा राजनीति करने के लिए ऐसी घटनाओं की तलाश में रहती है।"

संयुक्त राष्ट्र से गाजा को अकालग्रस्त क्षेत्र घोषित करने का आग्रह

गाजा, एजेंसी। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने खाद्य की गंभीर संकट को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र से गाजा को अकाल क्षेत्र घोषित करने का आग्रह किया है। मंत्रालय के महानिदेशक मुनीर अल–बुरश ने गुरुवार को कहा कहा कि गाजा में 91प्रतिशत लोग गंभीर खाद्य संकट उपलब्ध नहीं है। लगभग 92 प्रतिशत बच्चे और स्तनपान कराने वाली माताएँ खाद्यान्न की कमी से बुरी तरह पीड़ित हैं जो उनके जीवन के लिए सीधा खतरा है।श उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से शगाजा पट्टी को आधिकारिक रूप से अकालग्रस्त क्षेत्र के रूप में मान्यता देनेश का

का सामना कर रहे हैं, जबकि 65प्रतिशत लोगों को स्वच्छ पेयजल की पहुंच नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि 92प्रतिशत बच्चे और स्तनपान कराने वाली माताएं गंभीर खाद्य संकट से पीड़ित हैं, जो उनके जीवन के लिए सीधा खतरा है। वर्तमान स्थिति संयुक्त राष्ट्र को गाजा पट्टी को अकालग्रस्त क्षेत्र के रूप में मान्यता देने की अनुमति देती है। अल–बरश ने कल अनादोलु समाचार एजेंसी से कहा, शगाजा के लगभग 91 प्रतिशत निवासी गंभीर खाद्यान्न की कमी का सामना कर रहे हैं अन्य 65 प्रतिशत के पास स्वच्छ पेयजल आग्रह किया। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कल चिकित्सा और मानवीय संगठनों के साथ–साथ दुनिया भर के कार्यकर्ताओं से युद्ध क्षेत्र में फिलिस्तीनी बच्चों का समर्थन करने के लिए एक सप्ताह तक चलने वाला अभियान चलाने का आह्वान किया। मंत्रालय ने चिकित्सा संस्थानों से गाजा में आपातकालीन चिकित्सा दल, दवाइयाँ, प्राथमिक चिकित्सा और अन्य स्वास्थ्य समाग्रियों की खेप भेजने और सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर एन्क्लेव की नाकाबंदी समाप्त करने के लिए दबाव डालने का भी आग्रह किया।

मुंबई में 3 मई को होगा 8वें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो सम्मेलन का आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय एवं भारतीय जन संचार संस्थान द्वारा मुंबई में 3 मई को 8वें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जैस्मिन हॉल 2, जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, मुंबई में आयोजित होगा। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम WAVES 2025 पहल के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य भारत में सामुदायिक मीडिया परिदृश्य को नवाचार, समावेशिता और प्रभाव के माध्यम से सुदृढ़ करना है। इस सम्मेलन की मुख्य विशेषता 10वें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कारों का वितरण होगा, जिसमें 12 उत्कृष्ट कम्युनिटी रेडियो स्टेशनों को उनकी सेवा और समुदाय में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

ये पुरस्कार सूचना एवं प्रसारण, रेलवे तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, माननीय अश्विनी वैष्णव तथा राज्य मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, डॉ. एल. मुरुगन द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य खुले केदारनाथ धाम के कपाट

● पहली पूजा प्रधानमंत्री के नाम सम्पन्न

श्री केदारनाथ धाम, एजेंसी। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिला स्थित विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट शुक्रवार को विधि–विधान के साथ खोल दिये गये। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी कपाट खुलने के साक्षी बने। उन्होंने कपाट खुलने पर धाम में पूजा–अर्चना कर, प्रदेश के सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। केदारनाथ धाम में सबसे पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम की सम्पन्न हुई। मंत्र उच्चारण, हर हर महादेव के उद्घोष एवं सेना के ग्रेनेडियर रेजीमेंट के बैंड की भक्तिमय धुनों के बीच बाबा केदार के कपाट प्रातरू सात बजे खुले। इस अवसर पर धाम को सुंदर पुष्पों से सुसज्जित किया गया है। आज भक्तों पर हेलिकॉप्टर से पुष्प भी बरसाए गए। मुख्यमंत्री ने कपाट खुलने पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा

कि राज्य के साथ ही संपूर्ण देश को इस पल की प्रतीक्षा रहती है। केदारनाथ धाम सनातन धर्मावलंबियों की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र होने के साथ ही भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। हमारे राज्य के लिए यह उत्सव का समय है। उन्होंने बाबा केदार से सभी यात्रियों के मंगलमयी यात्रा की प्रार्थना की। श्री धामी ने कहा कि बाबा केदार के धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या हर साल बढ़ती जा रही है। बाबा केदार के आशीर्वाद से इस वर्ष भी चारधाम यात्रा नया कीर्तिमान बनायेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चार धाम यात्रा के सुव्यस्थित और सफल संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगमता के लिए सरकार ने सभी आवश्यक प्रबंध किए हैं। श्री धामी ने कहा कि हम सभी उत्तराखंडवासियों का कर्तव्य है कि हम देश और दुनिया से आने वाले अतिथियों का स्वागत आत्मीयता और सेवा भाव से करें। उन्होंने कहा कि श्री मोदी बाबा केदारनाथ के अनन्य भक्त हैं। वर्ष 2013 में आपदा के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केदार नगरी के पुनर्निर्माण का कार्य शुरू हुआ। उन्हीं के मार्गदर्शन में आज केदारनाथ परिसर का दिव्य और भव्य निर्माण कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने केदारनाथ की इसी भूमि से 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक बताया था।

कंप्यूटर बनाने वाली कंपनी अब प्रयागराज को स्वच्छ बनाने में करेगी मदद

प्रयागराज। कंप्यूटर बनाने वाली दुनिया की प्रतिष्ठित कंपनी एचसीएल (हिंदुस्तान कम्प्यूटर्स लिमिटेड) अब प्रयागराज और आगरा शहर को स्वच्छ बनाने में सहयोग करेगी। कंपनी की कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी शाखा एचीसीएल फाउंडेशन ने माय क्लीन सिटी योजना के साथ दोनों शहरों को स्वच्छ बनाने के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। एचसीएल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने शहर को स्वच्छ बनाने को लेकर नगर निगम के अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव के साथ वार्ता की। शहर को स्वच्छ बनाने के लिए दोनों पक्षों में सहमति बन गई है। अब नगर निगम और एचसीएल फाउंडेशन के बीच समझौता होगा। इसके बाद दोनों साथ मिलकर शहर की सफाई सुधारेंगे। सफाई उपकरणों की खरीद में मदद करेंगे। अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव ने बताया कि एचसीएल फाउंडेशन माय क्लीन सिटी योजना के तहत प्रयागराज और आगरा के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेगा। नगर निगम को जरूरत के अनुसार सफाई में सुधार के लिए उपकरण भी उपलब्ध कराएगा। एचसीएल फाउंडेशन गाजियाबाद में नन्हें परिंदे योजना के तहत छोटे बच्चों का जीवन स्तर सुधारने को लेकर काम कर रहा है। एचसीएल फाउंडेशन ने दोनों शहरों को स्वच्छ बनाने के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। देश के अन्य हिस्सों में भी कंपनी की संस्था अलग–अलग प्रोजेक्ट पर काम कर रही है।

संगम घाट के यमुना पट्टी पर नहाते समय डूबे दो युवक

प्रयागराज। संगम घाट के यमुना पट्टी पर स्नान करते समय दो युवक डूब गए। बैरहना कीडगंज के दोनों युवक गुरुवार की रात स्नान करने गए थे। जहां गहरे पानी में जाने से दोनों डूब गए। दूसरे दिन शुक्रवार की सुबह 17 वर्षीय अजय कुमार का उतराया शव मिलने के बाद घटना की जानकारी हुई। पुलिस गोताखोरों की मदद से दूसरे युवक 18 वर्षीय रौशन की तलाश में जुटी है। कीडगंज थाना क्षेत्र के बैरहना निवासी अजय व रौशन दोनों गहरे दोस्त थे। दोनों बुधवार की रात संगम स्नान करने गए थे। इसी बीच गहरे पानी में चले जाने से डूब गए। दोनों के घर नहीं पहुंचने पर परिजन तलाश में जुटे रहे। दूसरे दिन शुक्रवार की सुबह अजय का उतराया शव मिला। दोनों युवकों के परिजन रोते–बिलखते पहुंच गए। थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि अजय के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं रौशन की स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश कराई जा रही है।

प्रयागराज व्यापार मंडल ने छात्रा को दी बधाई

प्रयागराज। शहर के व्यापारी नेता और प्रयाग व्यापार मंडल के मीडिया प्रभारी मोहम्मद अकरम शगुन की बेटी ऐरम नाज अंसारी ने आईसीएससी हाई स्कूल परीक्षा में 90: अंक प्राप्त कर

नाम रोशन किया है। ऐरम नाज की इस शानदार उपलब्धि पर प्रयागराज व्यापार मंडल सहित पूरे व्यापारी समाज ने हर्ष जताया और छात्रा को शुभकामनाएं दीं। गर्ल्स हाई स्कूल की छात्रा ऐरम नाज ने बिना किसी कोचिंग के अपने कठिन परिश्रम और लगन के बल पर यह सफलता हासिल की है। प्रयाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मोहम्मद आमिर, महिला व्यापार मंडल की सक्रिय सदस्य पल्लवी अरोड़ा, व्यापारी नेता सुशांत केसरवानी, मुसाब खान समेत कई प्रमुख पदाधिकारियों ने अकरम शगुन को बधाई दी और ऐरम नाज के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐरम की मेहनत और आत्मविश्वास नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। प्रयागराज व्यापार मंडल की ओर से जारी बयान में कहा गया कि ऐरम नाज ने यह सिद्ध कर दिया है कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं। संगठन ने छात्रा को स्मृति चिन्ह भेंट करने और भविष्य में हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

सीआरपीएफ जवानों का आग बुझाने के बताए गए टिप्स

प्रयागराज। अग्निशमन विभाग की ओर से सीआरपीएफ 224 बटालियन फाफामऊ में तीन दिवसीय कार्यशाला हुई। फायर स्टेशन सोरांव के प्रभारी रमईराम की देखरेख में जवानों ने आग

से बचाव के तरीके की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही मॉक ड्रिल के माध्यम से सीआरपीएफ जवानों को भी आग लगने पर तत्काल बचाव करने का अभ्यास कराया गया। सीएफओ डॉ. आरके पांडेय ने बताया कि छोटी–छोटी जागरूकता के बल पर बड़ी अग्निकांड को रोका जा सकता है। पुलिस उपमहानिरीक्षक सीआरपी एफ ग्रुप सेंटर ने अग्निशमन विभाग की पहल की सराहना की। कार्यशाला के अंतिम दिन जवानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गेहूं खरीद में प्रतापगढ़ सबसे पीछे, जताई नाराजगी

प्रयागराज। मंडल के सभी जिलों में गेहूं खरीद में प्रतापगढ़ सबसे पीछे है। यहां लक्ष्य के सापेक्ष अब तक महज 16 फीसदी ही खरीद हो सकी है। गुरुवार को सीडीओ व क्षेत्रीय विपणन अधिकारी (आरएफसी) हर्षिका सिंह ने मंडल के सभी जिलों की बैठककर कम खरीद पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि अपने यहां खरीद को बढ़ाएं। साथ ही नए क्रय केंद्र स्थापित करने के भी निर्देश दिए हैं। प्रतापगढ़ में इस वक्त तक लक्ष्य के सापेक्ष महज 16 फीसदी ही गेहूं की खरीद हुई है, जबकि प्रयागराज में सर्वाधिक 40 फीसदी केंद्रों पर खरीद की जा चुकी है। वहीं कौशाम्बी और फतेहपुर में 22–22 फीसदी खरीद हुई। सीडीओ ने प्रयागराज के अधिकारियों की तरह अन्य जिलों में अफसरों को काम तेज करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सभी जगह क्रय केंद्रों को बढ़ाने के निर्देश दिए।

हाईकोर्ट पानी टंकी रेलवे पुल को ध्वस्त कर जल्द ही बनेगा नया आरओबी, जाम से मिलेगी मुक्ति

प्रयागराज। पुराने शहर से नए शहर को जोड़ने वाला हाईकोर्ट रेलवे पुल का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होगा। पुल का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होगा। इसके लिए जर्जर हो चुके पुराने रेलवे पुल को ध्वस्त कर इसी जगह पर तैयार की जा चुकी है। इसका प्रस्ताव जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को भेजा जाएगा।

शासन से मंजूरी मिलने

इसके लिए जर्जर हो चुके पुराने रेलवे पुल को ध्वस्त कर इसी जगह पर करीब 80 करोड़ रुपये की लागत से 573 मीटर लंबा आरओबी तैयार किया जाएगा।

पुराने शहर से नए शहर को जोड़ने वाला हाईकोर्ट रेलवे करीब 80 करोड़ रुपये की लागत से 573 मीटर लंबा आरओबी तैयार किया जाएगा। हाईकोर्ट आरओबी सहित कई सड़कों, फ्लाईओवर, सेतु व आरओबी के निर्माण की कार्य योजना लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की तरफ से के बाद निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। ऐसे में लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी।

पीडब्ल्यूडी ने विधानसभावार जनप्रतिनिधियों से प्रस्ताव मांगा है।

कार्य योजना के तहत मेडिकल चौराहे के पास जाम की समस्या से लोगों को निजात दिलाने के लिए सीएवी इंटर कॉलेज से केपी इंटर कॉलेज के बीच 142 करोड़ रुपये की लागत से 850 मीटर लंबा फ्लाईओवर बनाया जाएगा।

वहीं, नैनी से शहर को जोड़ने के लिए नए यमुना पुल के समानांतर 620 करोड़ रुपये की लागत से 1543 मीटर लंबा नया पुल बनाया जाएगा। उधर, झूंसी से शहर को जोड़ने के लिए सलोरी हेतापट्टी पर 1431 करोड़ रुपये की लागत से 2980 मीटर लंबा पुल तैयार होगा। इसी प्रकार अन्य कार्य योजना भी तैयार की जा रही हैं।

जनप्रतिनिधियों व जिलाधिकारी से प्राप्त निर्देश के आधार पर लोकहित में फ्लाईओवर, सड़क, आरओबी व सेतु के निर्माण की कार्य योजना तैयार की गई है। इसे शासन से मंजूरी मिलने के बाद शुरू किया जाएगा। – धर्मेंद्र कुमार अहिरवार, मुख्य अभियंता, पीडब्ल्यूडी

दो नवंबर तक शुरू होगा गंगा एक्सप्रेस वे, 88 फीसदी तक पूरा हो चुका है काम

प्रयागराज। यूपी की संगम सिटी प्रयागराज को पश्चिम यूपी में मेरठ से जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेस वे पर दो नवंबर से वाहन फर्राटा भरने लगेंगे। नवंबर से मेरठ तक पहुंचने में कम समय लगेगा।

इस एक्सप्रेस वे में सोरांव तहसील के 20 गांव शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में यहां पर अधिग्रहण और दूसरे काम हुए। निर्माण कार्य को महाकुम्भ के पहले ही पूरा करना था, लेकिन अब यह काम दो नवंबर को पूरा होगा।

गंगा एक्सप्रेस को कुम्भ मेला 2019 के दौरान प्रयागराज में योगी सरकारी की कैबिनेट ने मंजूरी दी थी, जिसके बाद काम शुरू हुआ। सोरांव तहसील के पश्चिमनारा, पूरबनारा, जलियासई, सराय मदन सिंह, उर्फचांटी तरती, गिरधरपुर गोडवा, सरांय भारत उर्फ होलागढ़, सराय हरीराम, परसूपुर नारी, मालापुर, फतेहपुर तालुके सहावपुर, कमलापुर जलालपुर, सरायनंदन उर्फ समसपुर, सरायनंददन उर्फ समसपुर, लखानपुर करन, रोही, खेमकरनपुर, सराय अर्जुन उर्फ हरिमडिला, जूड़ापुर दांदू, बारी, माधोपुर मलाक चतुरी में 15 किलोमीटर से अधिक सड़क से यह पुल जाएगा।

88 फीसदी तक पूरा हो चुका है काम

यह काम यूपीसीडा कर रहा है। अफसरों ने बताया कि 88 कि 88 फीसदी तक काम पूरा हो चुका है। अब केवल मिलान का काम बचा है। दो नवंबर को काम शुरू करने का लक्ष्य रखा गय है। इस अवधि में इसे पूरा कर लिया जाएगा।

औद्योगिक गलियारे का भी हो रहा निर्माण

इस गंगा एक्सप्रेस वे के साथ ही औद्योगिक गलियारा भी बन रहा है। जिसके लिए जमीन अधिग्रहित करनी है। 166 करोड़ रुपये का बजट शासन ने जारी किया है और जिसमें से 65 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ है।

जिलाधिकारी, रविंद्र कुमार मांदड़ ने इस बारे में कहा कि गंगा एक्सप्रेस वे वेका काम अब अंतिम चरण में है। यूपीसीडा के अफसरों ने बताया कि दो नवंबर तक काम पूरा कर लेंगे। लगातार निगरानी की जा रही है। जहां पर समस्या होगी, उसे दूर करा लिया जाएगा।

पहले बंद किया नेहरू पार्क, अब हनुमान मंदिर कॉरिडोर का काम रोका

प्रयागराज। जमीन के बदले बराबर कीमत की भूमि नहीं मिलने पर सेना ने संगम क्षेत्र हनुमान मंदिर कॉरिडोर का काम बंद करा दिया। कॉरिडोर का काम बंद होने के बाद मेला कार्यालय और प्रयागराज विकास प्राधिकरण में खलबली मच गई है। कुम्भ मेला अधिकारी विजय किरन आनंद सेना को जमीन देने के लिए शासन से वार्ता कर रहे हैं। पीडीए के अफसर कॉरिडोर का काम शुरू कराने के लिए रक्षा संपदा अधिकारी से बातचीत कर रहे हैं। सारी कोशिश के बाद भी गुरुवार को कॉरिडोर का काम शुरू नहीं हो पाया। यह पहली बार नहीं है, जब सेना ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण के बड़ी परियोजना का काम रोका है।

साढ़े तीन दशक पहले जमीन के बदले जमीन नहीं देने पर नई छावनी क्षेत्र में भव्य नेहरू पार्क सेना ने हमेशा के लिए बंद करा दिया। उस समय भी प्रयागराज विकास प्राधिकरण (तब इलाहाबाद विकास प्राधिकरण) ने सेना से जमीन लेकर नेहरू पार्क का निर्माण कराया था। समझौते के तहत पार्क के लिए जितनी जमीन ली गई, उतनी कीमत की भूमि सेना को देनी थी। पीडीए एक दशक बाद भी जमीन नही दे

पाया तो सेना ने पार्क में लोगों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी। पार्क वीरान हो गया। पार्क में टॉय ट्रेन सहित मनोरंजन के सभी उपकरण नष्ट या चोरी हो गए। महाकुम्भ के पहले पीडीए ने मंदिर कॉरिडोर का काम शुरू किया तभी सेना ने जमीन का मामला सुलझाने का आग्रह किया। जमीन के बदले जमीन नहीं मिलने के पूर्व सेना कॉरिडोर का काम शुरू कराने के पक्ष में नहीं थी। महाकुम्भ में कॉरिडोर का काम रोक दिया गया। महाकुम्भ समापन के बाद दोबारा कॉरिडोर का काम शुरू हुआ तो सेना की नजर पड़ी। रक्षा संपदा अधिकारी एके मिश्रा ने बताया कि मामला जल्द सुलझा लिया जाएगा। समान कीमत की जमीन के फेर में पहले भी रोके गए काम –बेगम बाजार आरओबी का निर्माण सात साल तक रोकना पड़ा। –सलोरी आरओबी का निर्माण सेना ने बीच में रोकवा दिया। –चौफटका आरओबी का काम विलंब से शुरू हो पाया। –कुम्भ–13 में किला के पास नहीं बनने दिया घाट –अर्द्धकुम्भ–07 संगम क्षेत्र में नहीं बन सका स्थायी रैन बसेरा

बकाएदारों से मिल जाए राशि तो बन जाएंगे 1900 गरीबों के आवास

प्रयागराज। बिजली, परिवहन सहित अन्य विभागों की जितनी धनराशि जिले के लोगों पर बकाया है, अगर वह जमा हो जाए तो ग्रामीण इलाके में 1900 गरीबों को आवास मिल सकता है। इस धनराशि से शहरी क्षेत्र में 900 गरीबों के लिए आवास बनाए जा सकते हैं। इतना ही नहीं जितनी धनराशि बाकी है उससे एक छोटा अस्पताल भी बनवाया जा सकता है। जिला प्रशासन ने बिजली, निबंधन (स्टांप), परिवहन, बैंक आदि के बकायेदारों की सूची तैयार करवाई तो कुल 22 करोड़ 28 लाख 89 हजार 988 रुपये बकाया निकला। सरकारी विभागों की यह धनराशि जिन पर बकाया है उनमें से कई ऐसे संपन्न लोग भीं शामिल हैं, जो विभागों से लाखों–करोड़ों के काम का ठेका लेते हैं। जिला प्रशासन इस राशि की वसूली के लिए प्रयास कर रहा है, बकाएदारों को दो नोटिस दी जा चुकी है, नहीं देने पर इनके खिलाफ आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) जारी कर जबरिया वसूली की जाएगी, जिसमें इन्हें वसूली का खर्च भी देना होगा।

अनंत ने फतह की फ्रेंडशिप पीक

प्रयागराज। नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रशिक्षक रह चुके और अनुभवी पर्वतारोही त्रिवेणीपुरम के निवासी 23 वर्षीय अनंत सिंह राजपूत के नाम एक और उपलब्धि दर्ज हुई है। इनकी अगुवाई में छह सदस्यीय पर्वतारोहियों के दल ने हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले की प्रतिष्ठित चोटी फ्रेंडशिप पीक (5289 मीटर) पर 17346 फीट की दुर्गम पहाड़ी को फतह करने में सफलता हासिल कर प्रयागराज का नाम रोशन करने का कार्य किया है।

यह अभियान 24 अप्रैल से शुरू होकर 30 अप्रैल तक चला था। अनंत ने बताया कि अभियान की शुरुआत 24 अप्रैल को मनाली से हुई थी। सुबह आठ बजे बकरथाज बेस कैंप पहुंच गए थे, वहां से छह घंटे पहाड़ पर चढ़ाई के बाद लेडी लेक बेस कैंप पहुंचे थे। जहां 26 अप्रैल को सुबह सात बजे तक रुके थे। फिर कैंप में दो दिनों तक दल के सदस्य रुके। इसके बाद 29 अप्रैल की मध्य रात्रि को फ्रेंडशिप पीक पर पहुंचने के लिए अभियान शुरू किया और दोपहर डेढ़ बजे पीक पर पहुंचकर चोटी को फतह किया। इस दौरान बर्फीली ढलान और ऊंचाई पर चढ़ने के दौरान कई बार विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा था लेकिन उत्साह और जुनून ने हमारे लक्ष्य को पूरा करने का काम किया। 29 अप्रैल को चोटी से दोपहर दो बजे वापसी के लिए उतरे और शाम को छह बजे लेडी लेक बेस कैंप पहुंचे। उसके बाद 30 अप्रैल को मनाली पहुंचकर अभियान समाप्त हुआ। दल में कुल्लू से चंदरलाल, जयपुर से कुलदीप शर्मा, पंचकुला के हेमंत अन्नई, मुंबई से राजेश गिरी व कुल्लू से रवि शर्मा शामिल थे।

'शराब, बियर की दुकानों के सामने मिल रही सबसे अधिक गंदगी, आबकारी आयुक्त को लिखा पत्र

प्रयागराज। शहर में शराब और बियर की दुकानों के सामने सबसे अधिक गंदगी मिल रही है। दुकानों के सामने कूड़ा रखने के लिए डस्टबिन नहीं रखा जा रहा है। चेतावनी के बाद भी शराब, बियर की दुकानों के सामने सफाई नहीं मिल रही है। नगर निगम की ओर से शहर में दुकान–दुकान चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के दौरान सामने आई। शराब और बियर की दुकानों के सामने मिल रही गंदगी को लेकर नगर निगम के पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने आबकारी आयुक्त को पत्र भेजा है। आबकारी आयुक्त से शराब और बियर की दुकानों के सामने कूड़ा के लिए डस्टबिन रखने के साथ घर–घर, दुकान–दुकान जाने वाली कूड़ा गाड़ी चालक से संपर्क करने का आग्रह किया गया है। शहर में व्यावसायिक कांपलेक्स और दुकानों के सामने चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत पिछले दिनों खुल्दाबाद स्थित एक शराब के दुकान संचालक से दुकान के सामने कूड़ा मिलने पर नगर निगम की टीम के साथ झड़प हो गई। मामला बढने पर पुलिस को बुलाना पड़ा। नगर निगम के पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी ने बताया शराब और बियर की दुकानों के सामने लगातार गंदगी मिलने के बाद आबकारी आयुक्त को पत्र भेजा गया।

सत्यापन और बैठकों के इंतजार में भटकती हैं दुखियारियां

प्रयागराज। पारिवारिक पेंशन योजना के लिए दुखियारियों के भटकने का बड़ा कारण प्रशासनिक अनदेखी है। काम करने में लापरवाही की आदत की वजह से ही इन्हें दर–ब–दर भटकना पड़ता है। जिले में जिन 1568 महिलाओं की पारिवारिक पेंशन रुकी है, वित्तीय वर्ष के आखिरी महीने में आवेदन नहीं, बल्कि अधिकांश ने 2023 में ही आवेदन कर दिया था। लेकिन इनके दस्तावेजों के सत्यापन में बहुत अधिक वक्त लगता है। यही कारण है कि विभाग इन्हें टालता रहता है और साल–दर–साल महिलाओं की समस्या बढ़ती जाती है। फूलपुर तहसील की बिंदो देवी ने बताया कि उनके पति की मौत दिसंबर 2022 में हुई थी। पति की मौत के एक वर्ष के भीतर परिवारिक पेंशन योजना के लिए आवेदन करना होता है, इस बीच उन्होंने सभी दस्तावेज तैयार कराए, लेकिन पेंशन आज तक नहीं आई। पहले कागज न आने की बात कही गई। फिर फाइल की जानकारी नहीं थी तो फिर बताया गया कि सत्यापन होगा तभी फाइल आएगी और बाद में बैठक हो जाए तो फाइल आगे बढ़े। कुल मिलाकर 10 बहाने और समस्या का हल नहीं। यह है कारण सबसे अधिक समय सत्यापन में लगता है। फाइल जब आगे बढ़ती है तो इसका सत्यापन बीडीओ लेखपालों से कराते हैं। एक आवेदन का सत्यापन होने में ही साल गुजर जाता है। इसके बाद जिला स्तर पर बैठक होती ही नहीं है। जैसे पिछले साल तक के 1568 आवेदन केवल बैठक के कारण रुके हैं। डीएम के सामने फाइल गई ही नहीं है। अफसरों का कहना है कि अब फाइल भेजी जा रही है। अगर फाइल समय से भेजी गई होती तो यह बजट पिछले वित्तीय वर्ष में जारी होता। सत्यापन के बाद फाइल तैयार करा ली जाती है। कभी–कभी कुछ आवेदनों को अलग से जांचना पड़ता है। फिर भी यही प्रयास रहता है कि जो आवेदन आए, उसका समय से निस्तारण हो। प्रज्ञा पांडेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी

स्क्रीन पर ज्यादा समय देने वालों के मन को परखेंगे मनोवैज्ञानिक

प्रयागराज। मोबाइल, लैपटॉप या फिर डेस्कटॉप पर ज्यादा वक्त गुजारने वालों के मन और तन पर क्या प्रभाव पड़ रहा है, इसे अब इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के मनोवैज्ञानिक परखेंगे। इसके लिए मनोविज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. मणिकंद प्रभु राम को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) से एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट मिला है। प्रयागराज सहित प्रदेश के अन्य शहरों के युवाओं से डाटा एकत्रित कर मनोवैज्ञानिक इस विषय से जुड़े कई बिंदुओं पर अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे, जिसे काउंसिल को भेजा जाएगा। मोबाइल के बढ़ते प्रयोग के कारण लोगों खास तौर से युवाओं का स्क्रीन टाइम (मोबाइल, लैपटॉप, डेस्कटॉप देखते वक्त गुजारा जाने वाला समय) बढ़ा है, जिससे कई तरह के मानसिक और शारीरिक विकार जन्म ले रहे हैं। डॉ. मणिकंद प्रभु राम, जो इस प्रोजेक्ट के डायरेक्टर भी हैं, ने बताया कि स्क्रीन टाइम और मानसिक स्वास्थ्य, व्यवहार और सामाजिक संबंधों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाएगा। इससे संभावित जोखिमों जैसे कि तनाव, चिंता, अवसाद और सामाजिक अलगाव पर अध्ययन कर यह भी देखा जाएगा कि स्क्रीन टाइम कैसे व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है।

प्रभारी मंत्री ने जन कल्याणकारी योजनाओं का किया स्थलीय निरीक्षण

प्रभारी मंत्री ने निर्माणाधीन ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को ओवर ब्रिज के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

- प्रभारी मंत्री द्वारा समोली ग्राम के गौशाला का किया गया निरीक्षण
- रायपुर नगली में कंपोजिट विद्यालय एवं पंचायत भवन का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित को दिए आवश्यक दिशा निर्देश
- ग्राम पंचायत नावला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर निरीक्षण निरीक्षण कर चिकित्सकों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

मुजफ्फरनगर। जनपद के प्रभारी मंत्री राज्यमंत्री, उर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा विभाग उत्तर प्रदेश सरकार डॉक्टर सोमेंद्र तोमर ने आज जनपद में पहुंच कर तहसील खतौली के प्राथमिक विद्यालय,प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, तहसील, जन कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण कार्यों आदि का स्थलीय निरीक्षण किया। मंत्री ने ग्राम पंचायत रायपुर नगली में कंपोजिट विद्यालय एवं पंचायत भवन का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित को दिए आवश्यक दिशा निर्देश।

प्रभारी मंत्री ने तहसील खतौली स्थित ग्राम टबीटा में निर्माणाधीन ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। ओवर ब्रिज के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदाई व संस्था को निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए ओवर ब्रिज निर्माण कार्यों में प्रयोग होने वाली सामग्री की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता ना बरती जाए।

माननीय प्रभारी मंत्री जी ने तहसील खतौली का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए तहसील में साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने तहसील में सूचना पट को देखा और निर्देश दिए सूचना पट पर सार्वजनिक सूचनाओं को नियमानुसार लगाया जाए। उन्होंने उप जिलाधिकारी खतौली को निर्देश दिए की जनसुनवाई रजिस्टर अपडेट रहे, कोई भी शिकायत पेंडिंग में ना रहे,प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण एवं नियमानुसार निस्तारण किया जाए। शिकायतकर्ताओं से फीडबैक भी लिया जाए। उन्होंने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए खतौली के पास टूटी सड़क को सही करवाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को यह भी निर्देश दिए सभी पत्रावलियां अपडेट रहें तथा सुव्यवस्थित ढंग से रखी जाए।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आज 43 मरीज देखा गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सभी दवाइयां मौजूद हैं और मरीजों को बैठने के लिए चेयर हैं, मरीज को भर्ती करने के लिए 6 बैड की व्यवस्था है, पीने की पानी आदि की व्यवस्था है। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए मरीज के

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भाजपा सुधीर सैनी, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमल किशोर देशभूषण, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री नरेंद्र बहादुर सिंह, उप जिलाधिकारी खतौली मोनालिसा जौहरी,तहसीलदार खतौली श्रद्धा गुप्ता, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, मुख्य

प्रभारी मंत्री ने तहसील खतौली के अंतर्गत नावला स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सभी व्यवस्थाएं उचित पाई गई। मंत्री को कुशल पूर्वक व्यवहार किया जाए। मरीजों के लिए पर्याप्त मात्रा में सभी दवाइयां उपलब्ध रहें। उन्होंने मरीजों को कोई भी किसी प्रकार की दिक्कत ना हो इस तरह के कार्य किये जाने के निर्देश दिए।

चिकित्सा अधिकारी सुनील तेवतिया, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी धर्मेंद्र कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार आदि सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

जातिगत जनगणना कराने का केंद्र सरकार का फैसला स्वागत योग्य: मोहन प्रजापति

मुजफ्फरनगर। भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने कहा है कि उनका संगठन सहित कई सामाजिक संस्थाएं व अन्य राजनीतिक दलों द्वारा काफी समय से जातिगत जनगणना कराए जाने की मांग की जा रही थी वहीं अब भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा जनगणना के साथ ही जातिगत जनगणना कराए जाने का निर्णय मोदी सरकार द्वारा लिया गया है

ओर सरकार का यह फैसला स्वागत योग्य है उन्होंने कहा है कि जातिगत जनगणना अगर पूरी ईमानदारी के साथ कराई गई तो जो अति पिछड़े दलित वंचित वर्गों के लोग जो अब तक हर क्षेत्र में पिछड़े रहे मुख्यधारा से दूर रहे उनको भी हर क्षेत्र में संख्या के हिसाब से बराबरी मिलेगी और हर वर्ग को अपने सही संख्या के बारे में भी पता चल सकेगा पिछड़ा दलित वंचित वर्ग सशक्त होगा राजनैतिक क्षेत्र शिक्षा व सामाजिक आदि जगह भी उनको बराबरी मिलेगी वहीं पिछड़े दलित दबे कुचले व मुख्य धारा से दूर खड़े लोग सामाजिक आर्थिक शैक्षणिक रूप से भी मजबूती मिलेगी उन्होंने कहा है कि अगर सरकार ने नीयत और नीति साफ रही ओर जातिगत जनगणना कराने का फैसला जुमला न हुआ तो 1931 के बाद देश में पहले बार जातिगत जनगणना होगी जिससे बाद दबे कुचले पिछड़े अति पिछड़े दलित वंचित वर्गों के चौमुखी विकास होगा और सरकार को भी जातिगत जनगणना स्पष्ट होने के बाद ओर किस जाति की कितनी संख्या है उसी तरह की नीतियां बनानी होगी।

चौरावाला मे खतौली शुगर मिल के तौल केन्द्र का उद्घाटन

मोरना। क्षेत्र के गांव चौरावाला में खतौली शुगर मिल के गन्ना तौल केंद्र का शुभारंभ किया गया। जिस पर किसानो ने प्रसन्नता जाहिर की है। ककरौली क्षेत्र के गांव चौरावाला मे गुरुवार को खतौली के त्रिवेणी चीनी मिल के तौल केन्द्र के

उद्घाटन अवसर पर किसानो ने खुशी जताते हुए कहा की मोरना चीनी मिल में तौल तो चल रही थी, लेकिन पैराई की मात्रा कम होने से किसानों को समय पर गन्ने की आपूर्ती करने में दिक्कत हो रही थी। किसानो ने बताया की मोरना चीनी मिल के विस्तारीकरण की बातें भी अधूरी रह गई,जिससे फसलों की समय पर बुआई और निस्तारण नहीं हो पा रही था।इन परेशानियों को देखते हुए खतौली मील प्रशासन ने अब चौरावाला में नया कांटा लगाया है, जिससे किसानों को समय पर तौल और भुगतान मिल सकेगा। इस अवसर पर कुलदीप राठी प्रबंधक खतौली मिल देवेन्द्र सिंह, निजाम, धर्मेंद्र सिंह अरुण कुमार, ऋषिपाल सिंह,हैप्पी, शाहनवाज ,मोहम्मद नबी, वसीम, शिबली, रामफल, शौटू, जसवीर, रोबिन, नवीन कुमार सहित सहित अनेक किसान शामिल रहे।

कुत्तों के हमले मे वन रोज़ की दु:खद मौत

मोरना। हस्तिनापुर वन्य जीव अभियार्णय क्षेत्र मे गन्ने की फ़सल के निस्तारण के बाद जंगली जानवरो की सुरक्षा खतरे मे पड़ गयी है। आवास की कमी के कारण आवासीय क्षेत्र मे भटक कर आये वन रोज़ की कुत्तो के हमले मे मौत हो गयी वन विभाग की टीम द्वारा मृतक वन रोज़ को भूमि मे दबाया गया। भोपाल थाना क्षेत्र के गांव ककराला में गुरुवार को जंगल से भटककर आये वन

रोज़ नामक जानवर को आवारा कुत्तों की झुण्ड ने घेर लिया। घंटो तक वन रोज अपनी जान बचाने के लिए इधर–उधर भटकता रहा। ग्रामीणों ने उसकी जान बचाने का प्रयास भी किया। किन्तु वह सफल न हो सके। जहां दर्जनों कुत्ते लगातार उसका पीछा करते रहे तथा हमला कर उसे घायल करते रहे, अंत में कुत्तों के झुण्ड ने वन रोज को गंभीर रूप से घायल कर दिया जिससे उसकी दुःखद मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम द्वारा वन रोज को मिट्टी में दबाया गया। मोरना वन क्षेत्र के डिप्टी रेंजर नंद किशोर शर्मा ने बताया कि मृतक जंगली पहाडा था। जिसकी कुत्तों के हमले में मौत हो गई। वन कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों की सहायता मृतक पहाडे को मिट्टी में दबवाया गया है।

करण कुमार प्रजापति ने सीबीएसई बोर्ड में 96.25 प्रतिशत अंक लाकर अपनी प्रतिभा का कमाल दिखाया

मुजफ्फरनगर। खतौली प्रजापति समाज की प्रतिभा जनपद मुजफ्फरनगर के खतौली तहसील के अंतर्गत करण कुमार प्रजापति /व अनिल कुमार प्रजापति ने जनपद आईसीएसई बोर्ड में 96.25: मार्क्स लाकर इंटरमीडिएट परीक्षा में टॉप किया है। जिसको लेकर महर्षि प्रजापति शिक्षा

समिति के सभी पदाधिकारीयो ने बहुत हर्ष व्यक्त किया शिक्षा समिति के संस्थापक आदरणीय पूरन सिंह प्रजापति संरक्षक कवरपाल ठेकेदार बुध प्रकाश प्रजापति एवं मास्टर ब्रह्म सिंह प्रजापति आदि सभी पदाधिकारी ने होनहार छात्र को मिठाई खिलाकर स्वागत की एवं छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की।

पिठापुरम में तात्विक बाल विकास का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर शुरू

पिठापुरम। श्री रामकृष्ण अद्वैत आश्रम के वेदांताचार्य स्वामी कृष्णानंद ने कहा कि हमें अपनी इंद्रियों के माध्यम से अपने भीतर की खुशी की खोज करनी होगी।

स्थानीय श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नवीन आश्रम परिसर में शुक्रवार की सुबह को आयोजित तात्विक बाल विकास ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में श्री रामकृष्ण अद्वैत आश्रम वेदांताचार्य स्वामी श्री कृष्णानंद बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर श्री कृष्णानंद ने बच्चों से कहा कि वे सभी शिक्षा की असीम निधि के उत्तराधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि सच्चा विद्यार्थी वह है जो जन्म से मृत्यु तक सीखता रहता है। तात्विक बाल विकास ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन उमर अली शाह पब्लिक स्कूल के करेस्पांडेट श्री हुसैन शाह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अपने उदगार व्यक्त करते हुए श्री हुसैन शाह ने कहा कि उत्कृष्ट भारतीय संस्कृति में बच्चे का प्रथम गुरु

उसकी मां होती है। उसे शिक्षा देने वाला शिक्षक द्वितीय गुरु है। इसलिए हमें उनका सम्मान करना चाहिए।

तात्विक बाल विकास के मुख्य संयोजक श्री एवीवी सत्यनारायण ने कहा कि 2 से 9 मई यानि 8 दिनों तक संचालित इस शिविर में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे। उन्होंने अपील की कि आप लोग अनुशासन के साथ ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में भाग लें और अपने कौशल का विकास करें।

श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नवम पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने इंटरनेट के माध्यम से बच्चों को संबोधित कर उन्हें आशीर्वाद दिया। श्री एवीवी सत्यनारायण की अगुवाई में नए आश्रम के सुखद और दिव्य आध्यात्मिक वातावरण में, बच्चों को न केवल अपनी पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त करने का सौभाग्य मिला, बल्कि उनके कौशल का विकास हुआ और वे उच्च स्तर तक की ज्ञान प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम में योग भारत फाउंडेशन की संस्थापक डॉ. ज्योतुला नागेश्वर राव ने योग की विशिष्टता, अष्टांग योग का महत्व और ध्यान के महत्व के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में सुलेखा प्रशिक्षक श्री केवीएसएस प्रसाद, पीठम के संयोजक श्री पेरूरी सुरीबाबू और केंद्रीय समिति के सदस्य श्री एनटीवी प्रसाद वर्मा ने मंच से बच्चों को संबोधित किया। गीतावधानी श्री यर्रमशेट्टी उमा महेश्वर राव ने समन्वयक की भूमिका निभाई और धन्यवाद ज्ञापन किया।

लायन्स क्लब मुजफ्फरनगर उन्नति ने अन्तिम यात्रा वाहन के साथ दिए समाज सेवा के दो बहुमूल्य उपहार

मुजफ्फरनगर। लायन्स क्लब मुजफ्फरनगर उन्नति द्वारा जनसेवा की भावना के तहत एक सराहनीय पहल करते हुए शहर के तीन प्रमुख संस्थानों को महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान की गईं। क्लब ने नई मंडी स्थित श्मशान घाट को एक अत्याधुनिक अंतिम यात्रा वाहन, डीएवी इंटर कॉलेज को संपूर्ण कंप्यूटर लैब तथा गवर्नमेंट इंटर कॉलेज को शुद्ध पेयजल हेतु वाटर कूलर भेंट किया। इस अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल, लायन्स क्लब इंटरनेशनल के गवर्नर लायन ए. के. मित्तल तथा इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी लायन विनय मित्तल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष लायन सीए मनीष बंसल ने की तथा संचालन लायन अजय अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर लायन पंकज बिजलवान (डब्ल), लायन विनय सिसोदिया (1ज टक्ल), लायन आदित्य गुप्ता (2दक टक्ल), लायन कुंजबिहारी अग्रवाल (च्क्ल), लायन अजय अग्रवाल (कैबिनेट सेक्रेटरी), लायन रीना अग्रवाल(ळरुद्ध बववतकपदंजवत) , उद्यमी श्री संजीव जैन, रीजन चेयरमैन लायन अतुल ऐरन, जोन चेयरमैन लायन नरेश शर्मा एवं डॉ. विवेक कुमार, सचिव अमित मित्तल, कोषाध्यक्ष अनुज मित्तल सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे। क्लब अध्यक्ष लायन मनीष बंसल ने कहा कि "समाज सेवा केवल दान नहीं, बल्कि हमारा नैतिक दायित्व है।" सचिव अमित मित्तल ने क्लब द्वारा अब तक किए गए विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी रिपोर्ट के माध्यम से प्रस्तुत की। क्लब के मीडिया चेयरमैन व डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन अनिल कंसल ने आयोजन की जानकारी साझा की। इस मौके पर लायन निखिल मित्तल, लायन आलोक गुप्ता, लायन अमित गर्ग, लायन राजेश मित्तल, लायन मुकुल गोयल, लायन हिमांशु गुप्ता, लायन महेश जिन्दल, लायन प्रवीण गोयल, लायन दिनेश गर्ग, लायन प्रतिभा बंसल, लायन ममता अग्रवाल,लायन अर्चना जैन, लायन वंदना मित्तल, लायनेड नीतू गोयल, लायनेड अनुराधा मित्तल समेत क्लब के अनेक सदस्य एवं शहर के अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी आगंतुकों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई।

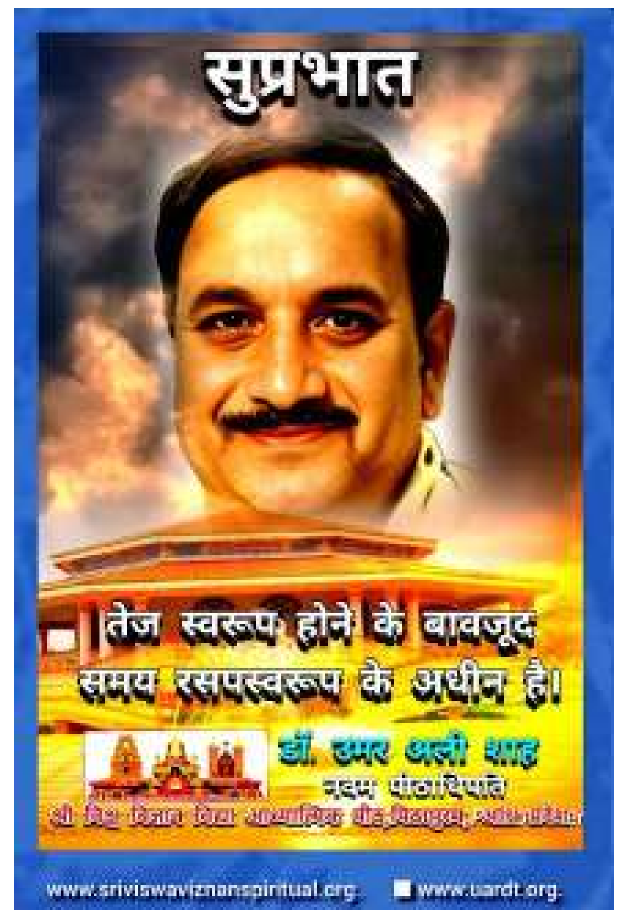

ईसीसी शिक्षक संघ में प्रो थॉमस अध्यक्ष और डॉ. प्रेम प्रकाश सचिव निर्वाचित

प्रयागराज। ऑक्टा की यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय अध्यापक संघ के चुनाव में सर्वसम्मति से प्रोफेसर थॉमस अब्राहम को अध्यक्ष,डॉ प्रदीप प्रिया को उपाध्यक्ष, प्रोफेसर शिखी सहाय को महिला उपाध्यक्ष, डॉ प्रेम प्रकाश सिंह को सचिव, डॉ अभिनव लाल को संयुक्त सचिव तथा डॉ अरुणय मिश्र को कोषाध्यक्ष चुना गया। निर्वाचन अधिकारी प्रोफेसर सोनाली चतुर्वेदी ने ऑक्टा द्वारा

नियुक्त दो पर्यवेक्षकों प्रोफेसर मार्तंड सिंह और डॉक्टर विवेकानंद त्रिपाठी की उपस्थिति में चुनाव सम्पन्न कराया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अरुण एस मोजेज़ ने सभी पदाधिकारी को पद के प्रति निष्ठा और ईमानदारी की शपथ दिलाई। पूर्व इकाई अध्यक्ष प्रोफेसर विवेक कुमार निगम ने सभी शिक्षकों का सहयोग करने के लिए आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर पूर्व ऑक्टा अध्यक्ष प्रो उमेश प्रताप सिंह, प्रो कुसुमलता पाण्डेय, प्रो जस्टिन मसीह, प्रो शारदा सुंदरम, प्रो विवेक भदौरिया, प्रो अशोक पाठक, प्रो आशुतोष शुक्ला, डॉ यू बी सिंह, डॉ अनिल शुक्ला सहित महाविद्यालय के अनेक शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

श्रीनिवास रामानुजाम पब्लिक स्कूल की छात्रा अनुष्का केसरवानी को मिला 97.75 फीसद अंक

प्रयागराज। श्रीनिवास रामानुजाम पब्लिक स्कूल की छात्रा अनुष्का केसरवानी को आई.एस. सी. के 12वीं के परीक्षा में मिला 97.75: अंक प्राप्त किया इसके पहले 10 वी के परीक्षा में में भी अनुष्का ने अच्छा अंक प्राप्त किया था अच्छे मार्क्स पाने पर उनके पिता सचिन केसरवानी रिजल्ट आने पर काफी उत्साहित हैं और माता श्रीमती सुमन केसरवानी जी को बहुत खुशी है उन्होंने कहा कि मेरी बेटी पर हमें गर्व है साथ ही स्कूल सभी साथियों और संबंधियों ने अनुष्का केसरवानी को ढेर सारी बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

बिशप जॉनसन स्कूल के मुदस्सिर जमाल ने ICSC बोर्ड 12जी में 95 फीसद हासिल कर परिवार कॉलेज शहर मान बढ़ाया

प्रयागराज। प्रतिस्पर्धा के दौर में छात्र अथक परिश्रम से कामयाबी की बुलंदियां छू रहे हैं तो लाजमी है जिस परिवार से स्कूल से या शहर से संबंध है ऐसे सभी लोगों को गर्व होना। कुछ इसी तरह का गर्व महसूस कर रहे हैं बिसप जॉनसन स्कूल के प्रिंसिपल टीचर छात्र के परिवार तथा एक से बढ़कर एक शख्सियत को जन्म देने वाली पावन धरती प्रयागराज के लोग इसी प्रयागराज के करेली के रहने वाले पेशे से पत्रकार राशिद जमाल के पुत्र मुदस्सिर जमाल भी निरंतर कामयाबी का परचम लहराते हुए न सिर्फ अपने परिवार स्कूल कॉलेज बल्कि शहर का भी मान बढ़ाने की ओर अग्रसर है कल आईसीएसई बोर्ड का रिजल्ट आया इसमें मुदस्सर जमाल ने 95: हासिल करते हुए परिवार के लोगों का मान बढ़ाया उनकी सफलता पर बिसप जॉनसन स्कूल के प्रिंसिपल जनाब विशाल जी तथा सभी टीचर व दोस्त और सभी संबंधियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि आशा है कि मुदस्सिर अथक परिश्रम से निरंतर कामयाबी की बुलंदियों को छूता रहे यही हमारी मनोकामना है मुदस्सिर जमाल ने ईश्वर के बाद अपनी सफलता का श्रेय सर्व प्रथम अपनी मां को दिया जिनकी प्रेरणा आशीर्वाद से सदैव सफलता अर्जित करता रहा है इसके बाद अपनी स्कूल के समस्त टीचरों के सहयोग को भी अपनी कामयाबी में अहम किरदार अदा करने वाला बताया।

सम्पादकीय.......

न रहेगी फीस की टीस

निस्संदेह, सरस्वती के मंदिरों का व्यापार का केंद्र बनना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। नौकरियों में अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते अभिभावक अपना पेट काटकर बच्चों को महंगे पब्लिक स्कूलों में पढ़ाते हैं। लेकिन सीमित आय वर्ग वाले कर्मचारियों व आम लोगों का कष्ट तब बढ़ जाता है जब स्कूल प्रबंधन मनमाने ढंग से हर साल फीस बढ़ाने लगते हैं। दलील दी जाती हैं कि छात्रों को गुणवत्ता की शिक्षा देने और योग्य शिक्षकों के अच्छे वेतन हेतु फीस बढ़ाने की जरूरत होती है। सर्वविदित है कि निजी स्कूलों के शिक्षकों की तनख्वाह सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले काफी कम होती है। दरअसल, केवल स्कूल की फीस ही नहीं बढ़ती बल्कि तमाम अन्य मदों में अभिभावकों की जेब तराशने का सिलसिला सारे साल बदस्तूर चलता रहता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिये अभिभावक भी फीस की टीस को बर्दाश्त करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के स्कूल प्रबंधकों की मनमानी सीमा पार करने लगी तो अभिभावक विरोध में सड़कों पर उतर आये। दिल्ली सरकार भी हरकत में आई और आनन–फानन में फीस नियंत्रण के लिये एक विधेयक लाया गया। सभी के लिये किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का प्रमुख लक्ष्य रहा है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के मार्ग पर एक बड़ी बाधा निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों का आर्थिक शोषण रहा है। मुख्य रूप से ये स्कूल पूरी तरह लाभ के लिये संचालित किए जाते हैं। दरअसल, इस मामले में जांच व नियमन का मजबूत तंत्र न होने का लाभ निजी स्कूल उठाते रहे हैं। जिसने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया है। ऐसे में दिल्ली सरकार की कैबिनेट का राष्ट्रीय राजधानी के सभी स्कूलों में फीस के नियमन को एक विधेयक को मंजूरी देना सुखद ही है। जिसके अंतर्गत उचित अनुमोदन के बिना फीस बढ़ाने पर दस लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। निश्चय ही दिल्ली सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इससे उन अभिभावकों को राहत मिलेगी जो हर साल फीस बढ़ाए जाने से त्रस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि जल्दी ही विधानसभा में पेश किए जाने वाले इस विधेयक में स्कूलों के लिये जिला व राज्य स्तर पर समितियों के गठन का प्रस्ताव है। इनके पैनल द्वारा पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस वृद्धि के प्रस्तावों की जांच की जाएगी। निस्संदेह, इस विधेयक का मकसद असहाय अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन के मनमाने फैसलों से बचाना है। दरअसल, देखने में आया है कि स्कूल प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करते रहते हैं। जो एक जबरन वसूली जैसा ही है, वजह है स्कूल के अधिकारियों के पास तमाम अधिकारों का होना। उल्लेखनीय है कि देश में गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने स्कूलों में फीस की संरचना को विनियमित करने के लिये कानून बनाये हैं। हालांकि, अकसर राज्य सरकारें इस मामले में खुद को अदालती लड़ाई में उलझा पाती हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान स्कूल फीस विनियमन अधिनियम, 2016 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। जिसमें शिक्षा में मुनाफाखोरी रोकने के राज्य के अधिकार की पुष्टि की गई है। निस्संदेह, ऐसी ही स्थितियों में दिल्ली में प्रभावित अभिभावकों के विरोध प्रदर्शनों ने दिल्ली की भाजपा सरकार को एक नियामक विधेयक लाने के लिये बाध्य किया। उल्लेखनीय है कि इस कानून में उन स्पष्ट प्रवर्तन प्रावधानों को शामिल करने की कोशिश की गई है, जिनके जरिये शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों के बीच विवादों को कम किया जा सके। साथ ही यह भी कि निजी स्कूल बेहतर सुविधाओं और शिक्षकों को उच्च वेतन देने के नाम पर फीस वृद्धि को उचित न ठहरा सकें। विडंबना यह है कि स्कूल प्रबंधन अकसर इन्हीं दलीलों को देकर ही फीस में वृद्धि करते हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि उनमें से अधिकांश आय–व्यय का विवरण देने से कतराते हैं। फलतरू अभिभावक सही जानकारी के अभाव में ठगे जाते हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि मजबूत कानूनी सुरक्षा उपायों से शिक्षा व्यवस्था व्यापार का जरिया न बनी रह सकेगी।

राहुल से नहीं आतंकवाद से लड़ें

डॉ. दीपक पाचपोर

देश भर में भाजपा ने पूरे देश में मुस्लिमों के खिलाफ एक तरह से अभियान छेड़कर भारत का एक विभाजित समाज के रूप में परिचय देने का काम किया है, वहीं राहुल पर हमला कर उसने यह भी संदेश दिया है कि देश में राजनीतिक एकता भी नहीं है।

देश के किसी भी दुश्मन से लड़ने का काम, चाहे वह सेना हो या आतंकवादी, सरकार और सेना का होता है। लेकिन देश की सत्ता पर काबिज भाजपा पहलगाम में हुए हमले के जिम्मेदार आतंकियों के साथ लड़ने की बजाय कांग्रेस एवं लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी से लड़ रही है। देश भर में भाजपा ने पूरे देश में मुस्लिमों के खिलाफ एक तरह से अभियान छेड़कर भारत का एक विभाजित समाज के रूप में परिचय देने का काम किया है, वहीं राहुल पर हमला कर उसने यह भी संदेश दिया है कि देश में राजनीतिक एकता भी नहीं है। लाजिमी है कि इसका लाभ दुश्मन देश को ही मिलेगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को चाहिये कि उसे अपनी इस क्षुद्र लड़ाई को बाद के लिये छोड़ देनी चाहिये। फिलहाल यह देश की सामाजिक व राजनीतिक ऐका दिखाने का वक्त है, न कि यह संदेश देने का कि सियासी दलों को आपसी सिर–फुटौव्वल से लड़ने से ही फुरसत नहीं है। लम्बे समय के बाद राहुल गांधी मंगलवार व बुधवार को अमेठी तथा रायबरेली लोकसभा क्षेत्रों के दौरे पर पहुंचे थे। उनके आने के पहले दोनों जगहों पर उनके खिलाफ पोस्टर लगाये गये जिनमें उन्हें आतंकियों का साथी बताया गया तो किसी में उन्हें जातिवाद के आधार पर देश को तोड़ने वाला करार दिया गया। कुछ पोस्टरों में कांग्रेस पर आतंकियों व पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया गया है। एक भाजपायी नेता ने अपनी तस्वीर के साथ इस आशय के पोस्टर लगाये कि राहुल व कांग्रेस जातिवाद के आधार पर देश को तोड़ेगी तो भाजपा राष्ट्रवाद के आधार पर जोड़ेगी। भाजपा से इसलिये उम्मीद लगानी स्वाभाविक है क्योंकि केन्द्र सरकार का नेतृत्व वही करती है। इस नाते उसे इस मसले पर गम्भीर होने की जरूरत है, लेकिन जिस प्रकार से इस समय देश के अलग–अलग हिस्सों में मुसलमानों के साथ मारपीट व दुर्व्यवहार हो रहा है, राहुल के साथ उसका सलूक वैसा ही गैर जिम्मेदाराना है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष तथा सांसद अखिलेश यादव के साथ भी कुछ कुछ ऐसी ही बदसलूकी कर रही है क्योंकि सपा के साथ बड़ी तादाद में मुसलमान हैं तथा भाजपा उनके खिलाफ है। देश के अनेक राज्यों से मुसलमानों को धमकियां देने, उनके साथ मारपीट करने, कश्मीरी छात्रों को शहर छोड़कर जाने की धमकियां देने तथा एक–दो हत्याओं से लगता है कि उग्र राष्ट्रवाद को इन सबसे संतोष नहीं मिल रहा है। सो आलोचना की तोप राहुल की तरफ मोड़ दी गयी है। जातिवाद के जरिये राहुल–कांग्रेस पर देश को तोड़ने का आरोप दरअसल उनकी जातिगत जनगणना की मांग से जुड़ा है। हालांकि बुधवार को हुई केबिनेट बैठक में सरकार ने फैसला लिया है कि वह जातिगत जनगणना कराएगी। मगर अपनी बौखलाहट में राहुल पर आक्रमण करती भाजपा को भूलना नहीं चाहिये कि राहुल व कांग्रेस परिवार के दो लोगों की हत्याएं आतंकवादियों ने ही की हैं। भाजपा के जो लोग इस पोस्टर वॉर का हिस्सा हैं या उसे अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहे हैं, वे इस बात को भी भूलते हैं कि विपक्षी नेताओं में सबसे पहले राहुल तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऐलान किया था कि वे सरकार के साथ पूरी तरह से खड़े हैं और सरकार जो भी निर्णय लेगी, वे उसका समर्थन करेंगे। राहुल ने ही सबसे पहले कश्मीर का दौरा किया और साफ किया कि चाहे जो चूक हुई हों, वे सरकार से अभी कोई सवाल नहीं करेंगे। इसके बरक्स प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रवैये से निराशा हुई है। सऊदी अरब का दौरा छोड़कर लौटे मोदी से उम्मीद थी कि वे तुरन्त कश्मीर जायेंगे। उनसे यह भी अपेक्षा थी कि वे सर्वदलीय बैठक का नेतृत्व करेंगे। आश्चर्य ही नहीं यह दुख की बात है कि उन्होंने बैठक में भाग लेने की बजाय बिहार की रैली में जाना उचित समझा जहां इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। इतना ही नहीं, कार्यक्रम के मंच पर उनके तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हंसी–ठिठोली करते वीडियो सामने आये थे जो इस बात को साबित करने के लिये काफी हैं कि उन्होंने इस घटना को कितने हल्के में लिया है। अलबत्ता, उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना स्वरूप सभी से कुछ पलों का मौन धारण कराया था। जनता को यह भी उम्मीद थीय और अब भी है कि वे संसद के दोनों सदनों का कम से कम एक दिन का विशेष सत्र बुलायें जिसमें वे सरकार के कदमों की देश को जानकारी दें। उन्हें देशवासियों को आश्वस्त करना चाहिये कि आईंदा ऐसी दुखद घटनाएं न हों उसके लिये सरकार पुख्ता कदम उठायेगी। राष्ट्र के नाम टीवी पर वे संदेश तो दे ही सकते थे, लेकिन उन्होंने इस विषय के लिये हर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले अपने रेडियो कार्यक्रम श्मन की बातश को चुना। एक ओर तो सरकार अपने कर्तव्यों से पूरी तरह से सायास विमुख रही है तो वहीं दूसरी ओर विपक्ष, खासकर राहुल जिम्मेदार नेता की तरह बर्ताव कर रहे हैं। ऐसे में उन पर हमला तर्कसंगत नहीं है।

हमारी लोक संस्कृति के संवाहक संस्कार गीतों को संजोए रखना जरूरी: अशोक

अशोक सिंह 'बेशरम'
कवि एवं समीक्षक
करछना, प्रयागराज

– वैवाहिक संस्कार के अवसर पर कई गीतों का रहा है चलन
– नई पीढ़ी में इसके प्रति कम हो रही अभिरुचि चिन्तनीय

हमारी सनातन संस्कृति में रचे–बसे जनमानस के सामाजिक लोकजीवन में संस्कार गीतों का ताना–बाना और इनकी विविधा के लोकरंग से सृजित सामाजिक परम्पराएं हमारी अनमोल विरासत हैं। हमारे यही संस्कार गीत सहज मानवीय अभिव्यक्ति के साथ मन के भाव,प्रभाव सृजित कर रीति रिवाजों के संवाहक बन कर हमें मार्मिक अनूभूतियों से तार–तार जोड़ते रहे हैं।जन्म के पूर्व और उसके उपरान्त हमारे जीवन के विभिन्न पड़ावों के बीच लगभग सोलह संस्कारों की परंपरा का चलन रहा है गर्भाधान, पुंसवन, जन्म, नामकरण,अ न्नप्राशन, कर्णछेदन, सीमांतोनयन, जातकर्म, विद्यारंभ, समावर्तन, वेदारम्भ, विवाह एवं दाह–संस्कार के अवसर पर हमारी मान्यताओं के अनुरूप समाज अपनी इसी परिपाटी का अनुगमन करता रहाआधुनिकता के परवान चढ़ रहे आज के बदलते दौर में इन्हीं के बीच हमारे विवाह संस्कार की उस परम्परा को जीने के रागरंग में काफी कुछ सिमटता जा रहा है। चार दशक पहले वाले गांव में कभी शादी विवाह की तिथि निश्चित होने के साथ वरक्षा,तिलक,विवाह,द्विरागमन जैसे मौके पर पखवारे भर पहले से ही बैबाहिक गीतों की गूंज सुनाई पड़ती थी। शादी वाले घरों में दिन भर कामकाज के उपरांत रात में घर और पास पड़ोस की महिलाएं चौपाल में जुट जातीं।देर रात तक बियाह

गीतों से माहौल गुलजार होता। वर और कन्या दोनों के घर बिबाह के दिन तक यह सिलसिला चलता रहता। हमारे बैबाहिक संस्कार गीतों में बन्नी–बन्ना, नेहछू, तेलटीका, माटीमागर, मायन, गारी, सोहगैली, भांवर, पउंपुजी, माड़ौ, कोहबर, बेलनहाई, नकटा, घाटो, बिदाई, परछन, टिकरी जैसे कई गीतों का चलन रहा। समधी जी के साथ तिलक चढ़ाने पहुंचे कन्या पक्ष के लोगों की आवभगत के बाद शुरू हुई थानथार,दानपान की बेला में यह गीत बहुत चर्चित हुआ–जरा लाइट दिखाओ,तिलक देखूंगी। केकरेदुअरवा बाजन बाजइ, केहि केर रचा हो,बियाह।माई कहंइ बेटी नियरे बियहबइ, बपई कहंइं बड़ी दुरि।अब जिनि हथवा सिकोरउ हो फलाने रामा,होइगै विदाई के जूनि। इसके अलावा भी कई पारम्परिक बिबाह गीत बहुत चर्चित हुए। माटीमांगर के मौके पर गांव के देवी चौरे पर पहुंच कर देवी मैया की मनौती करती महिलाओं द्वारा गाये जाने वाले सगुन गीत – सगुना लिहे रामा आवत होइंही, झांझर गेडुआ गंगा जुड़पानी, सगुना लिहे रामा घूंटत होइहीं। कई बिबाह गीतों में.. सोने की थारी मां, जेउना परोसेंउ, लाची लवांगें के बीणा लगायेंउं और बेला चमेली के सेजा बिछायेंउं जैसे बोल मुखरित हुए गृहस्थआश्रम में दांपत्य जीवन के नई पारी की शुरुआत और परछन गीत में गृहस्थी से जुड़ी कई चीजों का शब्द शिल्प देखते ही लायक रहता है–लोढवा ल दूलहे,हो मुसरा ल दूलहे,कि सुपवा सगुन शुभ होइ।। माड़ौ की छवाई के समय वर कन्या के पांव पूजा की बेला में –कांपइ थारी हो, कांपइ गेडुआ कि कांपइ कुशा कइ डार। अंगने मा कांपइ बाबा हो कवन रामा,देत की कुंवारी कय दान। जैसे गीत प्रायः गाये जाते। द्वार चार के समय मायन का दीप का कलश सजाकर खड़ी महिलाओं द्वारा गाये जाना वाला मायनगीत बहुत लोकप्रिय हुआ –रथ चढ़ि आयेनि दुलहे कवन रामा,सिया जी के दुअरा अंजोर। बिबाह के पूर्व जनवासा में पहुंच कर वर को भोजन कराने वाली कन्या की सहेलियों द्वारा बड़े मनुहार के साथ सोहगैली गीत गाये जाने की परम्परा रही। बारातियों द्वारा भोजन करते समय महिलाओं द्वारा चुनिंदा बारातियों का नाम ले लेकर गारी गीत गाने का अलग रंग दिखता।बीछी डोलि गईं सगरे अंगनवा मां, बीछी डोलि गईं। या फिर –समधी जी की घोड़ी,चने के खेत में।निहुरि परोंसइं राजा जनक जी, धोतिया मइलि होइ जाई कि हां जिउ जैसे गारी गीतों में हंसी ठिठोली अनुहार के रागरंग गहबर होते रहे। बारात की विदाई के बाद दूल्हा और दुल्हन द्वारा गांठ जोड़कर गृह प्रवेश करते समय टिकरी गीत में उल्लास और ठिठोली का एक अलग रंग दिखाई पड़ता है –अब तक रहेव बेटा माई के दुलेरवा, अब होइ गया बहू के गुलाम हो,टिकरिया बीने चला। घर में नई बहू के प्रवेश के एक दिन बाद महिलाएं घाट–बाट उठातीं और गांव के कुएं, मंदिर, ताल पोखर तक पहुंच कर परम्परागत पूजन करते समय घाटो गीत गातीं–पूजन जाइ दा सेवकिया के चारि चुटुकी। इसी दौरान हंसी ठिठोली का भी एक रंग दिखता–तरे नरियरवा कै बारी,उपर श्याम गेंदा लगाइदा। या फिर –जउ हो फलाने रामा,तोहरी आंखी उठी कुछु दइल्या...कोस कोस पर पानी और चार कोस पर बानी के अनुरूप अलग–अलग स्थानों पर अपनी बोली बानी में वैवाहिक संस्कार से जुड़े विविध गीतों का अनूठा लोकरंग आज के नये दौर में तब जैसा नहीं दिख रहा। हो न हो परम्परा के बदलते रंग–ढंग को लेकर तब और अब की बारात में बदलाव है। पुराने गीतों के रागरंग भी बदलते जा रहे हैं तो वहीं औपचारिकता से भरपूर माहौल में एक नया नशा, नई धुन और तमाम उधेड़बुन के बीच अब वह आलम नहीं दिख रहा। कभी दूल्हे के लिए घड़ी,साइकिल सोने की सिकड़ी और समधी जी को माड़ौ हिलाई में मिली गाय,भैंस वाले दिन अब लद गये। जोरा–जामा,डोली कंहार और द्वार चार का आलम भी बदला तो वहीं किराये के हलवाई, गेस्ट हाउस, गाडियां डीजे, रोडलाइट और हालीबुडिया–वालीबुडिया धमाचौकड़ी के आशिक मिजाजी में बारात का रंग रौब भी आधुनिकता के बीच वैभव, सम्पन्नता के दिखावे की होड़ में बेबश होकर छले जा रहे,हाथ मले जा रहे और चले जा रहे लोगों की भीड़ है। शादी विवाह के अनुबंधों के बीच कहीं दहेज़ के लोभ का क्षोभ,कटुतापूर्ण सम्बन्ध,टूटते रिश्तों की घुटन और भी बहुत कुछ....

राजनैतिक हिसाब–किताब फिर कभी, अभी एकजुटता दिखाने की जरूरत

सर्वमित्रा सुरजन

उत्तराखं के मसूरी में कश्मीरी शॉल बेचने वाले दो लोगों के साथ मारपीट कर उन्हें चले जाने कहा गया, इस घटना का वीडियो बनाया गया, जिसमें पीड़ितों के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस घटना के बाद कम से कम 16 कश्मीरी शॉल विक्रेता मसूरी छोड़ कर चले गए, जबकि वे बरसों से यहां थे।.... ये विश्व पाकिस्तान का नहीं है। पाकिस्तान के एजेंट इसी चौराहे पर खड़े होकर सुन रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि अब तुम भोपाल में हंगामा करके दिखाओ। आरिफ मसूद, चोर और उसके साथी जो हमारे धर्म का विरोध करते हैं, उन्हें हम नहीं छोड़ेंगेज् यहीं पर निपट लेंगे।श... ये बयान मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा कार्यसमिति के सदस्य कृष्णा घाडगे ने दिया। जिन आरिफ मसूद का जिक्र उन्होंने किया, वे कांग्रेस के विधायक हैं। हालांकि श्री घाडगे का कहना है कि उनकी रैली पाकिस्तान के खिलाफ थी और मसूद के फैन क्लब ने उनके बारे में झूठी शिकायत दर्ज कराई है।... मंगलुरु में एक क्रिकेट मैच के दौरान शपाकिस्तान जिंदाबादश के कथित नारे लगाने पर 25 से अधिक लोगों के एक समूह ने एक व्यक्ति की पीट–पीटकर हत्या कर दी...। 27 अप्रैल को दिन के करीब 3 बजे यह घटना हुई, जिसमें भीड़ लाठियों से पीड़ित को पीटती रही और उसे मार डाला गया...। प.बंगाल में एक शहर में व्यस्त मार्ग पर पाकिस्तान के झंडे का स्टीकर चिपकाया गया, ताकि राहगीरों के पैर उस पर पड़ते रहे...कुछ जगहों पर पाकिस्तनी झंडे को जलाने की कोशिश भी की गई...। अलीगढ़ में सड़क पर पाकिस्तान का झंडा पड़ा देख 9वीं कक्षा के एक छात्र ने उसे हटाने के लिए उठाया, इस पर वहां मौजूद हिंदूवादी संगठन के कुछ कार्यकर्ताओं ने छात्र को पकड़ लिया, छात्र पर आरोप लगे कि वो झंडे की शहिफाजतश कर रहा है, उसने रोते हुए माफी मांगी और कहा कि वो ऐसा कुछ नहीं कर रहा था, लेकिन उस छात्र को आतंकवादी कहते हुए उससे पाकिस्तान के झंडे पर कील ठुकवाई गई और फिर पेशाब भी करवाई गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया गया है। ... उपरोक्त तमाम दृष्टांत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद के हैं, जिसमें पाकिस्तान से बदला लेने को तत्पर देशभक्त नागरिक अपने ही साथी नागरिकों को प्रताड़ित कर रहे हैं। इस प्रताड़ना का सबसे बड़ा आधार यही है कि पीड़ित व्यक्ति मुस्लिम है। देश में अल्पसंख्यकों पर इस किस्म के अत्याचार पहली बार नहीं हुए हैं। लेकिन ऐसी घटनाओं का बार–बार होना और खासकर संवेदनशील वक्त में इनकी आवृत्ति बढ़ना न केवल देश की एकता के लिए खतरनाक है, बल्कि इस लिहाज से भी चिंताजनक है कि हम किस कदर कुंठाग्रस्त और हिंसक मनोवृत्ति वाले समाज में तब्दील हो चुके हैं। एक निर्वाचित विधायक से लेकर 9वीं कक्षा के छात्र तक किसी को भी हिंसा का डर दिखाया जा रहा है, तो क्या ये सभ्य समाज की निशानी मानी जाएगी। 9वीं कक्षा के छात्र से पाक झंडे पर पेशाब करवा कर और उसका वीडियो बनाकर क्या देशभक्ति का सबूत जुटाया जा रहा है। वह किशोर बच्चा इस मानसिक यंत्रणा के बाद क्या लंबे वक्त तक सामान्य हो पाएगा। चंद उन्मादी लोगों ने उसे जीवन भर का दाग दे दिया है, जिसे न जाने कैसे मिटाया जा सकेगा। पाकिस्तान के झंडे को कुचलकर या उसे उठाने वाले को सजा देकर या कश्मीर में हुए आतंकी हमले का बदला कश्मीरी लोगों पर उतारकर हम अपने मानसिक दिवालिएपन का नमूना दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं, ये बात इस समय उग्र राष्ट्रवाद से ग्रस्त लोगों को समझ नहीं आएगी, और जब तक आएगी, तब तक शायद देर हो चुकी होगी। इन घटनाओं के बीच एक घटना का वीडियो और सामने आया है, जिसमें दिल्ली के एक भाजपा नेता के घर एसी सर्विस करने आए दो लोगों को केवल इसलिए लौटा दिया गया क्योंकि वे मुसलमान हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि घर के दरवाजे पर खड़े दो व्यक्तियों से कहा जा रहा है कि तुम चले जाओ हम मुसलमानों से काम नहीं कराते, अपनी कंपनी से कहो किसी हिंदू को भेजें। पहले भी कई गिग वर्कर्स के साथ धर्म के आधार पर ऐसा अपमानजनक व्यवहार हो चुका है, लेकिन अब अपमान करने के साथ–साथ उनका वीडियो बनाकर डालना समाज में यह संदेश फैलाने की कोशिश करना है कि यह देश अल्पसंख्यकों का नहीं है और अगर उन्हें यहां रहना है तो इसी तरह डर कर, अपमानित होकर रहना पड़ेगा। यह कोई अच्छी स्थिति नहीं है। मगर अपनी राजनीतिक जमीन पुख्ता करने के लिए शायद यही अच्छी स्थिति है। कुछ और दृष्टांत देखिए– पहलगाम हमले के फौरन बाद महाराष्ट्र में भाजपा विधायक नीतेश राणे ने कहा है कि हिंदुओं को कुछ भी खरीदने से पहले दुकानदार का धर्म पूछना चाहिए और उसे हनुमान चालीसा पढ़ने कहना चाहिए। वहीं केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इस हमले में खुफिया एजेंसियों की नाकामी और सरकार की विफलता को लेकर उठते सवालों के बीच कहा कि जब तक 140 करोड़ भारतवासी देशभक्ति और राष्ट्रवाद को अपना परम धर्म मानते नहीं हैं, तब तक इस तरह की घटनाएं देश को परेशान करती रहेंगी। यह बड़ा ही निराशाजनक बयान था, जिसमें देश की जनता को ही ऐसी घटना का कसूरवार ठहरा दिया गया। जब नरेन्द्र मोदी बार–बार इन 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार बताते हैं, तो क्या वे राष्ट्रद्रोहियों को अपना भाई–बंधु बता रहे हैं, यह बात श्री गोयल को स्पष्ट करनी चाहिए। वैसे दुख की बात है कि भाजपा ने पहले नेहरू–गांधी जैसे स्वाधीनता सेनानियों का अपमान किया, विपक्ष की आवाज को दबाया, संविधान को बदलने की कोशिश की, अंबेडकर के नाम लेने को फैशन बताया, सुप्रीम कोर्ट पर पक्षपात का आरोप लगाया, मुख्य न्यायाधीश को गृहयुद्ध भड़काने वाला बताया और अब उस आम जनता को ही कटघरे में खड़ा कर दिया, जो सारी तकलीफें सहते हुए, चुपचाप अपना काम करती है, ताकि देश आगे बढ़े, टैक्स भरती है ताकि राजकोष भरे, नियमों–कानूनों का पालन करती है, ताकि देश में अराजकता न फैले, ये सब देशभक्ति और राष्ट्रवाद नहीं है तो फिर और क्या है। लेकिन भाजपा के नेता अब भी देशभक्ति और राष्ट्रवाद के अपने पैमाने पर 140 करोड़ लोगों की देशभक्ति को परख रहे हैं। अफसोस की बात ये है कि इनके पैमाने में देश के लिए शहीद हुए लोगों के लिए भी सम्मानजनक स्थान नहीं है। अन्यथा आज राहुल गांधी, सोनिया गांधी या प्रियंका गांधी की देशभक्ति पर सवाल नहीं किए जाते। मंगलवार को राहुल गांधी रायबरेली के दौरे पर थे और बुधवार को वे अमेठी पहुंचे, इस दौरान अज्ञात लोगों ने उनके खिलाफ पोस्टर लगाए, एक में लिखा आतंक का साथी, राहुल गांधी। एक अन्य पोस्टर में राहुल, कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और महाराष्ट्र के नेता विजय वडेट्टीवार की फोटो के साथ लिखा – इंडी गठबंधन का हाथ पाकिस्तान के साथ। तीसरे पोस्टर में गुलाम नबी आजाद, लश्कर आतंकी हाफिज सईद और सैफुद्दीन सोज की फोटो लगी थी, इसमें लिखा था– कांग्रेस आतंकियों और पाकिस्तान की भाषा बोल रही है। क्या राहुल और उनकी पार्टी पाकिस्तान और आतंकवादियों का एजेंडा आगे बढ़ा रही? उप्र पुलिस ने इन पोस्टरों को उतार लिया है, लेकिन सोचने वाली बात है कि जिन राहुल गांधी ने अपने पिता और दादी को आतंकवाद के कारण ही खोया है, जो देश के नेता प्रतिपक्ष हैं, उन पर इस तरह के इल्जाम क्यों लगाए जा रहे हैं। इसी तरह प्रियंका गांधी का दोसा बनाते एक वीडियो शेयर करते हुए एक भाजपा समर्थक ने लिखा, जिस तरह देश को जलाया, उसी तरह दोसा जला रही हैं।

मैं बहुत ज्यादा काम नहीं करता, ज्यादा नहीं सोचता : शाहरुख खान

“ हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में शुमार शाहरुख खान ने कहा कि जब वह युवा थे तो वह “अक्खड़” थे, लेकिन साथ ही साहसी भी थे। उन्होंने कहा, “मुझे लगता है कि (एक समय) मैं अक्खड़, अति आत्मविश्वासी, लापरवाह और बहुत ज्यादा बेवकूफ था। मुझे खुशी है कि मैं ऐसा था, नहीं तो मैं इतने शानदार लोगों के साथ जो रास्ता चुना, उसे नहीं चुनता।

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने बृहस्पतिवार को यहां वेव्स शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि जब वह काम नहीं कर रहे होते, तो ध्यान की अवस्था में होते हैं। उन्होंने 'विश्व दृश्य श्रव्य और मनोरंजन सम्मेलन' (वेव्स) के दौरान 'सफररू बाहरी से बादशाह तक' के सत्र को संबोधित करते हुए भारत में अधिक सिनेमाघरों और सस्ती टिकटों की भी वकालत की। शाहरुख ने कहा, ''मैं अब भी मानता हूं कि आज के समय में अधिक सिनेमाघर की जरूरत है, छोटे शहरों में छोटे सिनेमाघर हों, सस्ते सिनेमाघर हों, ताकि हम देश के हर कोने में लोगों को अधिक से अधिक फिल्में दिखा सकें।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि वेव्स शिखर सम्मेलन के जरिये शूटिंग प्रक्रिया ''न केवल भारतीयों के लिए बल्कि बाहर से आने वाले लोगों के लिए भी आसान हो जाएगी।'' अभिनेता ने अपने मित्र एवं निर्देशक करण जौहर और कई फिल्मों में उनकी सह–कलाकार दीपिका पादुकोण के साथ एक परिचर्चा में कहा, ''मैं बहुत अधिक काम करने या अधिक सोचने में नहीं पड़ता। जब मैं (फिल्म के) सेट पर नहीं होता, तो मैं कुछ भी नहीं करता। मैं ध्यान की अवस्था में रहता हूं।'' हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में शुमार शाहरुख खान ने कहा कि जब वह युवा थे तो वह ''अक्खड़'' थे, लेकिन साथ ही साहसी भी थे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि (एक समय) मैं अक्खड़, अति आत्मविश्वासी, लापरवाह और बहुत ज्यादा बेवकूफ था। मुझे खुशी है कि मैं ऐसा था, नहीं तो मैं इतने शानदार लोगों के साथ जो रास्ता चुना, उसे नहीं चुनता। मैं थोड़ा साहसी भी था।'' वहीं, दीपिका पादुकोण ने कहा, ''आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो... 18 साल की उम्र में बड़े शहर में जाना... यह एक बड़ा फैसला था। छोटी–छोटी बातें, जीवन में उतार–चढ़ाव और गलतियों के साथ आगे बढ़ना। कुल मिलाकर, जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो कहती हूं कि (ये सफर) बुरा नहीं था, (मनोरंजन की दुनिया में) बेहतर प्रदर्शन किया।'' शाहरुख के साथ 2007 में फिल्म ''ओम शांति ओम'' से अभिनय की शुरुआत करने से पहले एक मॉडल के रूप में काम कर चुकीं पादुकोण ने कहा, ''मैं वास्तव में खुद से कहूंगी कि मैंने (जीवन में) बहुत अच्छा किया है। मैं खास क्षणों का बहुत अधिक जश्न नहीं मनाती। मैं चीजों को स्पष्ट रूप से देखती हूं।'' पादुकोण ने कहा कि अपने खाली समय में वह घर चलाने जैसी रोजमर्रा की चीजों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। उन्होंने कहा, ''मैं सब कुछ व्यवस्थित करती हूं... रसोई साफ करना, सप्ताह के लिए सब्जियों का भंडार सुनिश्चित करना, कपड़े धोना... मुझे कोई और तरीका नहीं पता। शायद इसलिए क्योंकि मैंने इसी तरह से शुरुआत की थी। पहले मेरे पास बड़ा घर नहीं था। मेरे पास घर में काम करने वाली कोई घरेलू सहायिका नहीं थी।

जिससे खौफ खाते थे 90 के हीरो, उस खूंखार विलेन की बेटी के साथ मस्ती करती दिखीं कैटरीना कैफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ की लेटेस्ट वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही हैं। वीडियो में कैटरीना स्टंट बेस्ड रिएलिटी शो श्खतरों के खिलाड़ी सीजन 12 की कंटेस्टेंट एरिका पैकर्ड के साथ नजर आ रही हैं। सामने आए वीडियो में दोनों के बीच प्यारी बॉन्डिंग देखने को मिल रही है। उन्होंने कैप्शन में लिखा–मैं वैसे बीटीएस टाइप की लड़की नहीं हूं, लेकिन इनसे मिलकर मुझे बहुत अच्छा लगा। एरिका का कहना है कि वह आम तौर पर बिहाइंड द सीन मोमेंट में कोई रुचि नहीं रखती लेकिन कैटरीना से मिलना उनके लिए बेहतरीन अनुभव रहा। बता दें कि एरिका पैकर्ड हिंदी फिल्मों के मशहूर विलेन गैविन पैकर्ड की बेटी हैं जिन्होंने 90 के दशक में चमत्कार, तड़ीपार, मोहरा, ये है जलवा जैसी कई फिल्मों में काम किया था। एरिका नामी मॉडल हैं। उन्होंने कई बड़े डिजाइनर्स के लिए रैंप वॉक किया है। यही नहीं, वह कई विज्ञापनों का भी हिस्सा रही हैं. एक विज्ञापन में वह रणबीर कपूर के साथ भी नजर आई थीं। उन्होंने एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर को डेट किया था।दोनों करीब 10 साल तक एक–दूसरे के साथ रिलेशनशिप में रहे। कैटरीना कैफ के बारे में बात करें तो वह हाल ही में फिल्म मैरी क्रिसमस में नजर आई थीं जिसमें वो विजय सेतुपति के साथ लीड रोल में थीं।

बेटी दुआ को घर छोड़ डिनर डेट पर निकले रणवीर-दीपिका, दीपवीर ने इंस्टाग्राम के बॉस एडम मोजेरी के साथ बिताई खास शाम

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इस समय मदरहुड लाइफ एंजॉय रही हैं। यही वजह है कि दुआ के जन्म के बाद से ही दीपिका पब्लिक प्लेस पर कम ही स्पॉट होती हैं। ऐसे में दीपिका की एक झलक पाने के लिए फैंस बेताब रहते हैं। इसी बीच दीपिका पादुकोण की नई तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में दीपिका पादुकोण अपने पति रणवीर सिंह के साथ नजर आ रही हैं। बेटी दुआ को घर छोड़ दीपिका पति संग डिनर डेट पर निकली। उनकी ये आउटिंग खास थी क्योंकि इस डिनर के जरिए वो इंस्टाग्राम के हेड एडम मोसेरी का स्वागत कर रहे थे। इस खास मौके पर क्ममचटममत ने अपने लुक को फॉर्मल रखा था।रणवीर सिंह हमेशा की तरह ब्लैक सूट में बेहद हैंडसम लगे। वहीं दीपिका ने एक क्रिस्प व्हाइट शर्ट को बेज रंग के ब्लेजर के साथ पहनकर अपने बॉस–बेब अवतार में चार चांद लगा दिए। अपने डिनर डेट के लिए उन्होंने वेवी हेयर ओपन लुक अपनाया। एडम मोसेरी ने भी इंस्टा पर दीपवीर संग तस्वीर शेयर की। इसके साथ उन्होंने लिखा–आज शाम मुझे मुंबई में शानदार और करिश्माई पावर कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह से मिलने का मौका मिला, और बेहद लाजवाब खाना भी खाने को मिला। एडम मोसेरी के इंडिया ट्रिप और दीपिका–रणवीर से हुई मुलाकात की डिटेल्स सामने नहीं आई हैं लेकिन इतना तय है कि इंस्टाग्राम हेड की ये विजिट लोगों के बीच काफी दिलचस्पी पैदा कर रही है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण आखिरी बार फिल्म सिंघम अगेन में साथ में नजर आए थे।

पंचायत' के नाम बड़ी उपलब्धि, वेव्स में शामिल होने वाली पहली सीरीज

ग्रामीण जीवन, राजनीति और रिश्तों को हल्के–फुल्के मजाकिया अंदाज में पेश करती सफल वेब सीरीज 'पंचायत' के नाम बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। 'पंचायत' सीरीज मुंबई में आयोजित वेव्स समिट में शामिल होने वाली पहली सीरीज बन गई है। 1 से 4 मई तक आयोजित वेव्स के तीसरे दिन मेकिंग ऑफ पंचायत ग्रासरूट स्टोरी टेलिंग सीजन का आयोजन होगा, जिसमें जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता समेत सीरीज के एक्टर्स पंचायत की कहानी समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे। तीन शानदार पड़ाव पूरा कर चुकी सीरीज में नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, चंदन रॉय, जितेंद्र कुमार जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। अभी तक 'पंचायत' के तीन सीजन आ चुके हैं। निर्माताओं ने चौथे सीजन का भी ऐलान कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में पहले विश्व ऑडियो विजुअल एंड मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज यहां मुंबई में 100 से अधिक देशों के कलाकार, निवेशक और नीति निर्माता एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। एक तरह से आज यहां वैश्विक प्रतिभा और वैश्विक रचनात्मकता के एक ईको–सिस्टम की नींव रखी जा रही है। पीएम मोदी ने वेव्स में कहा–वर्ल्ड ऑडियो विजुअल और एंटरटेनमेंट समिट यानी वेव्स. . ये सिर्फ एक ऐक्रोनिम नहीं है। ये एक वेव है– संस्कृति की, रचनात्मकता की। वेव्स एक ऐसा वैश्विक मंच है, जो आप जैसे हर कलाकार, हर निर्माता का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नई योजना के साथ रचनात्मक दुनिया के साथ जुड़ेगा।" उन्होंने कहा, आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के जी थे और कल ही उनकी जन्मजयंती थी। बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने–कोने में ले जाने में सफलता पाई है। वेव्स शिखर सम्मेलन चार दिवसीय है। इसका आयोजन मुंबई स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में हो रहा है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस सम्मेलन में बॉलीवुड के कई सितारे भाग ले रहे हैं, शाहरुख खान, अक्षय कुमार, अनुपम खेर, आमिर खान से लेकर दीपिका पादुकोण जैसे नाम शामिल हैं।

धर्मेंद्र-हेमा मालिनी को 45वीं शादी की सालगिरह पर ईशा देओल ने शेयर की खास तस्वीर, कहा- ये मेरी दुनिया है...

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने शुक्रवार को एक साथ 45 साल पूरे किए। 2 मई को अभिनेता–युगल धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की शादी की सालगिरह पर, उनकी बेटी और अभिनेत्री ईशा देओल ने सोशल मीडिया पर हार्दिक शुभकामनाएँ साझा कीं। एक प्यारी पारिवारिक तस्वीर साझा करते हुए, देओल ने उन्हें अपनी दुनिया कहा। दूसरी स्लाइड एक खूबसूरत पारिवारिक चित्र है। धर्मेंद्र और हेमा मालिनी एक कुर्सी पर बैठे हुए एक साथ पोज देते हैं। दिग्गज अभिनेत्री ऑफ–व्हाइट, गुलाबी बॉर्डर वाली सिल्क साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। धर्मेंद्र ने सफेद शर्ट और ग्रे ट्राउजर पहने हुए कैजुअल अवतार में धमाल मचाया। पावर कपल में उनकी बेटियाँ – ईशा और अहाना देओल भी शामिल हैं। दोनों बहनें एथनिक परिधानों में नज़र आईं। ईशा गुलाबी कढ़ाई वाली कुर्ती में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, जबकि अहाना हरे रंग की कढ़ाई वाली मास्टरपीस में पारंपरिक आकर्षण को अपना रही हैं। धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की प्रेम कहानी किसी आइकॉनिक से कम नहीं है। कथित तौर पर, दोनों की पहली मुलाकात 1970 में फिल्म 'तुम हसीन मैं जवान' के सेट पर हुई थी, जहाँ दोनों के बीच प्यार की चिंगारी उड़ी थी। उस समय, धर्मेंद्र पहले से ही प्रकाश कौर से विवाहित थे और उनके चार बच्चे थे– दो बेटे, सनी और बॉबी देओल और दो बेटियाँ। बाधाओं के बावजूद, इस जोड़े को प्यार हो गया। रिपोर्टों के अनुसार, हेमा के माता–पिता इस शादी के खिलाफ थे, लेकिन उन्होंने अपने दिल की सुनी। आखिरकार दोनों ने 1980 में अपने भाई के घर पर एक निजी समारोह में शादी कर ली, जो लोगों की नज़रों से दूर था। तब से, धर्मेंद्र और हेमा हर मुश्किल समय में एक–दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। इन वर्षों में, उन्होंने एक साथ एक खूबसूरत ज़िंदगी जी है, दो बेटियों– ईशा और अहाना देओल की परवरिश की है। काम की बात करें तो धर्मेंद्र को आखिरी बार शाहिद कपूर और कृति सनोन के साथ रोमांटिक साइंस–फिक्शन कॉमेडी 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में देखा गया था। इस फिल्म में दिग्गज स्टार ने एक और आकर्षक भूमिका निभाई, जिसने प्रशंसकों को याद दिलाया कि उनमें अभी भी दम है। इसके बाद, वह श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित फिल्म 'इक्कीस' में दिखाई देंगे, जो मनोरंजक थ्रिलर के लिए जाने जाते हैं। दूसरी ओर, हेमा मालिनी फिलहाल अपने राजनीतिक करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

सफेद बालों को छिपाने में मदद करेगी ये देसी चाय, हेयर कलर की नहीं पड़ेगी जरूरत

कम उम्र से ही बालों का सफेद होना तनाव और शरीर में कई जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी की ओर इशारा करता है। ऐसे में आप अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में कुछ बदलाव करके इसको रिवर्स करती हैं। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी चाय के बारे में बताने जा रहे हैं।

कई बार आइने में देखते हुए बालों के बीच कुछ सफेद बाल नजर आते हैं, हमारे चेहरे पर शिकन आ जाती है। खासकर यदि 30 साल की उम्र के बाद सफेद बाल दिखाई देने लगें, तो यह काफी खराब लगता है। अक्सर हम इन सफेद बालों को छिपाने का तरीका ढूंढते हैं और बालों को सफेद करने के लिए हेयर कलर का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर आप सफेद बालों को छिपाने की बजाय इनको कम करने पर ध्यान देना चाहिए। बता दें कि कम उम्र से ही बालों का सफेद होना तनाव और शरीर में कई जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी की ओर इशारा करता है। ऐसे में आप अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में कुछ बदलाव करके इसको रिवर्स करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसी चाय के बारे में बताने जा रहे हैं, जो सफेद बालों की समस्या को कम कर सकती है।

देसी चाय की सामग्री

गुड़हल के फूलों का पाउडर– 1 टेबलस्पून

मेथी के बीज– आधा टेबलस्पून

हल्दी– आधा टीस्पून

सेंधा नमक– आधा टीस्पून

नींबू– कुछ बूंदे

ऐसे बनाएं देसी चाय

सबसे पहले एक जार में हल्दी, मेथी के बीज, सेंधा नमक और गुड़हल के फूलों का पाउडर डाल लें।

इसके बाद इन सारी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लें।

अब इसमें आधा चम्मच पाउडर लेकर इसमें 1 गिलास पानी मिलाएं।

फिर नींबू के रस की कुछ बूंदे डालें और रोजाना इसका सेवन करें।

फायदे

बता दें कि मेथी के बीज हेयर फॉलिकल्स को मजबूती देने का काम करता है और यह बालों के समय से पहले सफेद होने से रोकता है।

मेथी के बीजों में विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन के पाया जाता है। साथ ही इसमें पोटैशियम, आयरन और फोलिक एसिड भी भरपूर मात्रा में होता है। मेथी बालों को पोषण देने का काम करता है और इसके इस्तेमाल से बाल मजबूत होते है, साथ ही समय से पहले सफेद भी नहीं होते हैं।

वहीं हल्दी में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। जोकि स्कैल्प की हेल्थ में सुधार करता है। हल्दी में कॉपर और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है और यह बालों को काला करने में मददगार होता है।

हल्दी में कर्क्युमिन पाया जाता है और यह बालों को मजबूत करता है और इससे बालों का झड़ना भी कम होता है।

गुड़हल की चाय का सेवन करने से बालों का झड़ना कम होता है और इसमें एंटी–ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है, जो बालों को समय से पहले सफेद होने से रोकता है।

सेंधा नमक में कई जरूरी मिनरल्स पाए जाते हैं, जो हमारे बालों को मजबूती देते हैं।

गुड़हल के फूल का पाउडर हेयर फॉलिकल्स को मजबूत करने के साथ मेलानिन के प्रोडक्शन को सपोर्ट करता है।

दिल का हाल बयां करती हैं आंखें, इन 4 संकेतों को न करें इग्नोर

हार्ट अटैक, जिसे दिल का दौरा भी कहा जाता है, अचानक होने वाली एक गंभीर स्थिति है। अक्सर लोग इसके लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और जब तक यह होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, हार्ट अटैक आने से पहले शरीर कुछ संकेत देने लगता है, जो अगर समय रहते पहचान लिए जाएं, तो बड़ा खतरा टाला जा सकता है। खास बात यह है कि हमारी आंखें 30 दिन पहले ही हार्ट अटैक का संकेत दे सकती हैं। आइए जानते हैं इस विषय में विस्तार से।

हार्ट अटैक के चार मुख्य संकेत जो आंखें देती हैं

पलकों में पीलापन या सफेद दाग

आंखों की पलकों के आसपास पीलापन या सफेद रंग के धब्बे बनने को चिकित्सकीय भाषा में जैंथेलेस्मा कहा जाता है। यह स्थिति शरीर में बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल का संकेत देती है, जो हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ा सकता है। जैंथेलेस्मा आमतौर पर आंखों के पास छोटी–छोटी चर्बी की परतों के रूप में दिखता है। ये परतें हृदय की धमनियों में रुकावट का संकेत देती हैं, जो हार्ट अटैक जैसी गंभीर स्थिति का कारण बन सकती हैं। अगर आपको ऐसे लक्षण नजर आते हैं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाएं।

पुतलियों का रंग बदलना

आंखों की पुतलियों के आसपास ग्रे या सफेद रिंग (चक्र) बनना भी हृदय संबंधी समस्याओं का संकेत हो सकता है। इसे आर्कस साइनिलिस कहा जाता है। यह रिंग बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल का संकेत है और यह रक्त धमनियों में फैटी डिपॉजिट्स की ओर इशारा करता है। यह स्थिति अक्सर उन लोगों में देखी जाती है जो उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, या मोटापे से जूझ रहे होते हैं। यह चक्र धीरे–धीरे बड़ा होता है और इसे नजरअंदाज करना हृदय रोगों का खतरा बढ़ा सकता है। अगर यह लक्षण दिखाई दे, तो हृदय विशेषज्ञ से सलाह लें।

आंखों में धुंधलापन या झनझनाहट

अगर आपकी आंखों के सामने बार–बार धुंधलापन, ब्लर दिखना, या झनझनाहट महसूस हो रही है, तो यह हार्ट अटैक का शुरुआती संकेत हो सकता है। यह समस्या तब होती है जब दिल से जुड़े रक्त संचार में गड़बड़ी होती है। यह लक्षण खासतौर पर उन लोगों में दिखाई देता है जो नियमित व्यायाम नहीं करते, अधिक तनाव लेते हैं, या जिनका खानपान असंतुलित है। ऐसे मामलों में रक्त प्रवाह सही से आंखों तक नहीं पहुंच पाता, जिससे यह समस्या होती है। अगर यह लक्षण बार–बार हो रहा हो, तो इसे हल्के में न लें।

आंखों में बार–बार सूजन या लालिमा

आंखों में बार–बार सूजन या लालिमा आना भी हार्ट अटैक का एक बड़ा संकेत हो सकता है। यह समस्या तब होती है जब शरीर में फ्लूइड रिटेंशन बढ़ जाता है, जो हृदय की सही पंपिंग न होने की वजह से होता है। सूजन और लालिमा आमतौर पर आंखों के नीचे अधिक दिखाई देती है और यह रक्तचाप या हृदय की कार्यक्षमता में कमी का इशारा करती है। इसके साथ–साथ आंखों में जलन या भारीपन भी महसूस हो सकता है। अगर यह लक्षण लंबे समय तक रहे, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

इन लक्षणों को नजरअंदाज करने से हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है। समय पर इनकी पहचान और उपचार से बड़े खतरे से बचा जा सकता है।

हार्ट अटैक का कारण बनने वाले अन्य सामान्य लक्षण

हार्ट अटैक के लक्षण केवल आंखों तक सीमित नहीं रहते। कुछ अन्य सामान्य संकेत इस प्रकार हैं–

1. सीने में भारीपन या दर्द
2. बांह, गर्दन, या जबड़े में दर्द
3. सांस लेने में तकलीफ
4. पसीना आना और थकान
5. अचानक चक्कर आना या मतली

इन संकेतों को नजरअंदाज न करें

अक्सर लोग इन लक्षणों को सामान्य समस्या समझकर अनदेखा कर देते हैं। लेकिन यह लक्षण हृदय रोग या हार्ट अटैक की चेतावनी हो सकते हैं। अगर इनमें से कोई भी लक्षण आपको लगातार महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

हार्ट अटैक से बचने के उपाय

स्वस्थ आहार लें

कोलेस्ट्रॉल और ट्रांस फैट से बचें। ताजे फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाएं। मछली, मेवे और दिल के लिए फायदेमंद फैट का सेवन करें।

नियमित व्यायाम करें: हर दिन 30 मिनट तेज चलना या हल्का व्यायाम करना हृदय को मजबूत बनाता है।

तनाव से बचें: तनाव दिल की बीमारियों का बड़ा कारण है। योग और मेडिटेशन से इसे नियंत्रित करें।

धूम्रपान और शराब से बचें: धूम्रपान और अधिक शराब पीना हृदय के लिए हानिकारक हो सकता है।

चेकअप कराएं: नियमित रूप से हृदय का चेकअप कराएं।

ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाएं। हार्ट अटैक आने से पहले शरीर कुछ संकेत देता है। अगर इन लक्षणों को समय पर पहचान लिया जाए और डॉक्टर से सलाह ली जाए, तो हार्ट अटैक को रोका जा सकता है। खासकर, आंखों के संकेतों को हल्के में न लें। सेहतमंद जीवनशैली अपनाएं और नियमित स्वास्थ्य जांच करवाकर अपने दिल को सुरक्षित रखें।

सुबह उठकर पी गई ये 3 चीजें यूरिन के रास्ते बाहर निकाल देती है यूरिक एसिड

आजकल की अनियमित जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ना आम बात हो गई है। जब शरीर में यह एसिड जरूरत से ज्यादा बनता है या समय पर बाहर नहीं निकलता, तो यह जोड़ों में दर्द, सूजन और गठिया जैसी समस्याएं पैदा करता है। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है! अगर आप रोज सुबह खाली पेट कुछ घरेलू और प्राकृतिक चीजों का सेवन करें, तो शरीर में जमा सारा यूरिक एसिड पेशाब के जरिए धीरे–धीरे बाहर निकल सकता है। आइए जानते हैं वो 3 असरदार चीजें, जो सुबह खाली पेट लेने से यूरिक एसिड कम करने में मदद करती हैं।

नींबू का रस

नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो शरीर को डिटॉक्स करते हैं। यह शरीर में क्षारीय वातावरण बनाता है, जिससे यूरिक एसिड का स्तर कम होता है। कैसे सेवन करें रोज सुबह 1 गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़ें। खाली पेट पिएं। चाहें तो इसमें थोड़ा सा शहद भी मिला सकते हैं।

अजवाइन का पानी

अजवाइन में थायमोल नामक तत्व होता है जो पाचन को सुध ाारता है और शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालता है। यह यूरिक एसिड को पेशाब के जरिए बाहर करने में मदद करता है। कैसे सेवन करें रात को 1 चम्मच अजवाइन 1 गिलास पानी में भिगो दें। सुबह उस पानी को छानकर खाली पेट पिएं। लगातार 2 हफ्ते तक पिएं और फर्क महसूस करें।

सेब का सिरका

सेब का सिरका शरीर को अंदर से साफ करता है। यह चभ लेवल को बैलेंस करता है जिससे यूरिक एसिड घुलकर पेशाब के रास्ते बाहर निकलने लगता है। कैसे सेवन करें 1 गिलास गुनगुने पानी में 1 चम्मच सेब का सिरका मिलाएं। सुबह खाली पेट पिएं। अगर स्वाद तेज लगे तो थोड़ा शहद भी मिला सकते हैं।

अतिरिक्त सुझाव

दिन भर खूब पानी पिएं ताकि यूरिक एसिड आसानी से पेशाब के जरिए बाहर निकल सके।

हाई–प्यूरीन फूड्स से बचें जैसे रेड मीट, सी फूड, बीयर और मसालेदार खाना।

हरी सब्जियां और फाइबर युक्त चीजें खाएं।

रोजाना हल्की–फुल्की एक्सरसाइज या योग करें।

कब डॉक्टर से मिलें?

अगर जोड़ों में बहुत तेज दर्द हो रहा है, सूजन बढ़ रही है, या यूरिक एसिड बहुत ज्यादा बढ़ चुका है, तो बिना देर किए डॉक्टर से सलाह लें। घरेलू उपाय तभी तक ठीक हैं जब तक लक्षण हल्के हों। यूरिक एसिड को कम करना कठिन नहीं है, बस आपको सही समय पर कुछ असरदार कदम उठाने की जरूरत है। अगर आप रोज सुबह खाली पेट नींबू पानी, अजवाइन पानी और सेब का सिरका लेते हैं, तो यह आपके शरीर को अंदर से साफ करके यूरिक एसिड को बाहर निकालने में मदद कर सकता है।

बसंती हवाओं में रूखी हो गई है स्किन तो फॉलो करें ये टिप्स, ग्लोइंग और हाइड्रेटेड रहेगी त्वचा

बसंत का मौसम आने पर बड़ा बदलाव होता है, लेकिन यह बदलाव स्किन के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। इस मौसम में बसंती हवाएं हमारी स्किन की नमी को छीन लेती हैं, जिससे हमारी त्वचा बेजान, रूखी और संवेदनशील हो जाती है। स्किन को खूबसूरत और स्वस्थ बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आप अपनी स्किन केयर रूटीन में कुछ बदलाव करें। इन स्किन केयर रूटीन को फॉलो कर आपकी स्किन न सिर्फ रूखेपन से बच सकती है, बल्कि इससे स्किन ग्लोइंग और हाइड्रेटेड रहेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे स्किन स्किन केयर टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

हाइड्रेशन बनाए रखें

इस मौसम में स्किन की नमी को बनाए रखना जरूरी होता है। इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और स्किन को हाइड्रेटेड रखने के लिए हाइड्रेटिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। आप स्किन को हेल्दी और नमी बनाए रखने के लिए ह्युलोरोनिक एसिड युक्त सीरम या फिर मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। यह स्किन में नमी बनाए रखता है। इसलिए रोजाना रात में सोने से पहले गहरी मॉइस्चराइजिंग क्रीम लगाएं, जिससे आपकी स्किन रातभर रिपेयर हो सके।

नेचुरल क्लींजर

मौसम बदलने के साथ ही आपको स्किन की सफाई के तरीके में भी बदलाव करना चाहिए। इस दौरान स्किन को रसायनों से भरे क्लींजर से धोने से बचना चाहिए। इसलिए आप प्राकृतिक क्लींजर का इस्तेमाल करें, जो स्किन को गहराई से साफ करें और स्किन में नमी बरकरार रखें।

एक्सफोलिएशन का रखें ध्यान

बता दें कि रूखी स्किन में डेड स्किन सेल्स अधिक जमा हो जाते हैं। जिसकी वजह से हमारी स्किन बेजान दिखती है। इसलिए सप्ताह में एक बार स्क्रब से स्किन को एक्सफोलिएट करें। जिससे स्किन पर जमा डेड स्किन सेल्स हटेंगे और नई त्वचा को सांस लेने का मौका मिलेगा।

नाइट केयर रूटीन

रात के समय हमारी स्किन को देखभाल की खास जरूरत होती है। इसलिए रोजाना रात में सोने से पहले सीरम या फिर अच्छे फेस ऑयल का इस्तेमाल करें। विटामिन–ई और सी युक्त प्रोडक्ट्स स्किन की मरम्मत में सहायता करते हैं और स्किन को कोमल और नरम बनाता है।

सनस्क्रीन लगाएं

बसंत के मौसम में सूरज की किरणें हमारी स्किन पर गहरा असर डालती हैं। इसलिए बाहर निकलने से पहले हमेशा सनस्क्रीन जरूर लगाएं। आप 30‟च्थ् या उससे अधिक वाले ब्रॉड स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। यह आपकी स्किन को यूवी किरणों से बचाने के साथ डार्क स्पॉट्स और एजिंग से भी सुरक्षित रखेगा।

होममेड फेस पैक

स्किन को नेचुरल रूप से पोषण देने के लिए होममेड फेस पैक का इस्तेमाल करें। इसलिए आप शहद और दही का पैस लगा सकते हैं। दरअसल, दही स्किन को मॉइस्चराइज करता है और शहद स्किन पर चमक बनाए रखता है। इसलिए इस फेसपैक को फेस पर अप्लाई करें और फिर 20 मिनट बाद धो लें।

कठोर प्रोडक्ट्स का न करें इस्तेमाल

बसंती मौसम में स्किन पर कठोर रसायन युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसकी जगह आप नेचुरल और सौम्य प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता दें। अगर आपकी स्किन अधिक सेंसिटिव है, तो स्किन एक्सपर्ट से परामर्श लें और उनकी सलाह पर प्रोडक्ट का चयन करें।

हेल्दी डाइट लें

स्किन की सेहत हमारे खानपान पर निर्भर करती है। इसलिए बसंत के मौसम में अपनी डाइट में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट युक्त सब्जियों और फलों को शामिल करें। आप पालक, कीवी, संतरा, स्ट्रॉबेरी और नट्स का सेवन कर सकती हैं। वहीं ओमेगा–3 फैटी एसिड से भरपूर चीजें जैसे अलसी के बीज, अखरोट, मछली और अलसी के बीज त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं।

चेहरे की मालिश करें

ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने और स्किन को पोषण देने के लिए रोजाना चेहरे की मालिश करना फायदेमंद होता है। इसलिए रोजाना 5–10 मिनट के लिए अपने फेस पर नारियल तेल, बादाम तेल या फिर विटामिन ई तेल से मालिश करें। इससे आपके स्किन चमकदार और कोमल बनेगी।

दूसरी बड़ी हार के साथ प्लेऑफ की दौड़ से बाहर राजस्थान, 2012 के बाद मुंबई की जयपुर में पहली जीत

जयपुर। कर्ण शर्मा और ट्रेंट बोल्ट की घातक गेंदबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को 117 रन पर समेट दिया। इसी के साथ रियान पराग की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गई। उनसे पहले चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुई थी। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में दो विकेट खोकर 217 रन बनाए थे। जवाब में राजस्थान 16.1 ओवर में 10 विकेट गंवाकर सिर्फ 117 रन ही बना सकी और यह मुकाबला 100 रन से हार गई, जो उनकी दूसरी सबसे बड़ी हार है। इससे पहले आरसीबी ने 2023 में राजस्थान को 112 रन से हराया था। वहीं, मुंबई की किसी भी टीम के खिलाफ यह तीसरी बड़ी जीत है।

मुंबई की लगातार छठी जीत

लगातार छठी जीत के साथ मुंबई अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। 11 में सात मैच जीतकर उनके खाते में 14 अंक हैं और नेट रन रेट 1.274 हो गया है। वहीं, राजस्थान छह अंकों के साथ आठवें स्थान पर बनी हुई है। उनका नेट रन रेट –0.780 हो गया। दूसरे स्थान पर आरसीबी है जिसने 10 मैचों में सात मुकाबले जीते हैं और नेट रन रेट 0.521 हैं। उनके खाते में भी 14 अंक हैं। पंजाब 13 अंकों के साथ तीसरे और गुजरात 12 अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है। मुंबई की 2012 के बाद जयपुर में राजस्थान के खिलाफ पहली जीत है।

राजस्थान की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान के बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। उनके लिए जोफ्रा आर्चर ने सर्वाधिक 30 रनों की पारी खेली। उन्होंने 27 गेंदों का सामना किया और दो चौके और इतने ही छक्के लगाए। मुंबई के खिलाफ यशस्वी

जायसवाल 13, नीतीश राणा नौ, ध्रुव जुरेल 11, शुभम दुबे 15, महीश तीक्षणा दो, कुमार कार्तिकेय दो और आकाश मधवाल चार' रन बना पाए। वहीं, वैभव सूर्यवंशी और शिमरन हेटमायर खाता भी नहीं खोल पाए। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट और कर्ण शर्मा ने तीन–तीन विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह को दो सफलता मिली। इसके अलावा दीपक चाहर और हार्दिक पांड्या ने एक–एक विकेट अपने नाम किया।

मुंबई की पारी

रेयान रिकेल्टन और रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। दोनों के बीच 100 से ज्यादा रनों की साझेदारी हुई। महीश तीक्षणा ने रेयान को बोल्ड किया। वह 38 गेंदों में 61 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रोहित शर्मा ने 36 गेंदों में 53 रन बनाए। दोनों ने इस सत्र का अपना तीसरा अर्धशतक लगाया। इसके बाद सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या ने 48–48 रनों की तूफानी पारी खेलकर टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। राजस्थान के लिए महीश तीक्षणा और रियान पराग ने एक–एक विकेट हासिल किया।

राजस्थान की खराब बल्लेबाजी के लिए पराग ने इन्हें ठहराया दोषी

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने आईपीएल में गुरुवार मुंबई इंडियंस के खिलाफ 100 रन की करारी हार के बाद मेहमान टीम को जीत का श्रेय देते हुए कहा कि अगर वे विरोधी टीम को 190 से 200 रन के बीच रोक देते तो अच्छा रहता। वहीं, हार्दिक पांड्या ने मुंबई की विजयी रथ पर बयान दिया है। उन्होंने रोहित शर्मा, रेयान रिकेल्टन और सूर्यकुमार यादव के साथ–साथ अपने गेंदबाजों की तारीफ भी की। मुंबई के 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम कर्ण शर्मा (23 रन पर तीन विकेट), जसप्रीत बुमराह (15 रन पर दो विकेट) और ट्रेंट बोल्ट (28 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 16.1 ओवर में 117 रन पर ढेर हो गई। आरआर की ओर से सिर्फ जोफ्रा आर्चर (30) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। रेयान रिकेल्टन ने 38 गेंद में तीन छक्कों और सात चौकों से 61 रन की पारी खेली। इसके अलावा रोहित शर्मा (53 रन, 36 गेंद, नौ चौके) के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन जोड़कर मुंबई को बेजोड़ शुरुआत दिलाई। कप्तान हार्दिक (नाबाद 48, 23 गेंद, छह चौके, एक छक्का) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 48, 23 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) ने इसके बाद अंतिम ओवरों में 44 गेंद में 94 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर दो विकेट पर 217 रन तक पहुंचाया।

पराग ने जुरेल और खुद के बारे में की बात

पराग ने मैच के बाद कहा, श्मुंबई इंडियंस ने जिस तरह बल्लेबाजी की आपको उसके लिए उन्हें श्रेय देना होगा। उन्होंने विकेट बचाए रखे। हां, 190–200 के बीच का स्कोर आदर्श होता। हमें अच्छी शुरुआत मिल रही है लेकिन मध्यक्रम में मुझे, ध्रुव (जुरेल) को पारी को आगे बढ़ाना है। हमने कई चीजें सही और गलत की हैं। बहुत सारी गलतियां की हैं। हम उन पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं और अच्छी चीजों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

मुंबई के कप्तान हार्दिक ने कहा कि यह मुकाबला बल्ले और गेंद से उनके लिए शानदार रहा। हार्दिक ने कहा, श्जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की और हमने गेंद के साथ शानदार प्रदर्शन किया, यह बिल्कुल परफेक्ट मैच था। हम और 15 रन बना सकते थे। सूर्यकुमार और मैंने कहा कि अच्छे क्रिकेटिंग शॉट्स का महत्व हैं। हम दोनों एक दूसरे से पर्सेंटेज शॉट्स खेलने को लेकर बात कर रहे थे। उन शॉट्स की वैल्यू तब है जब आप उसे गैप में खेलते हैं। हार्दिक ने रोहित और रिक्ल्टन की तारीफ करते हुए कहा कि ओपनिंग जोड़ी ने भी उसी तरह से बल्लेबाजी की। उन्होंने कहा, श्मुझे लगता है कि यह बिल्कुल शानदार था। रिकेल्टन ने इंटेंट बनाए रखा और उन्होंने उन बाउंड्रीज को निशाना बनाया जहां गैप दिखी।

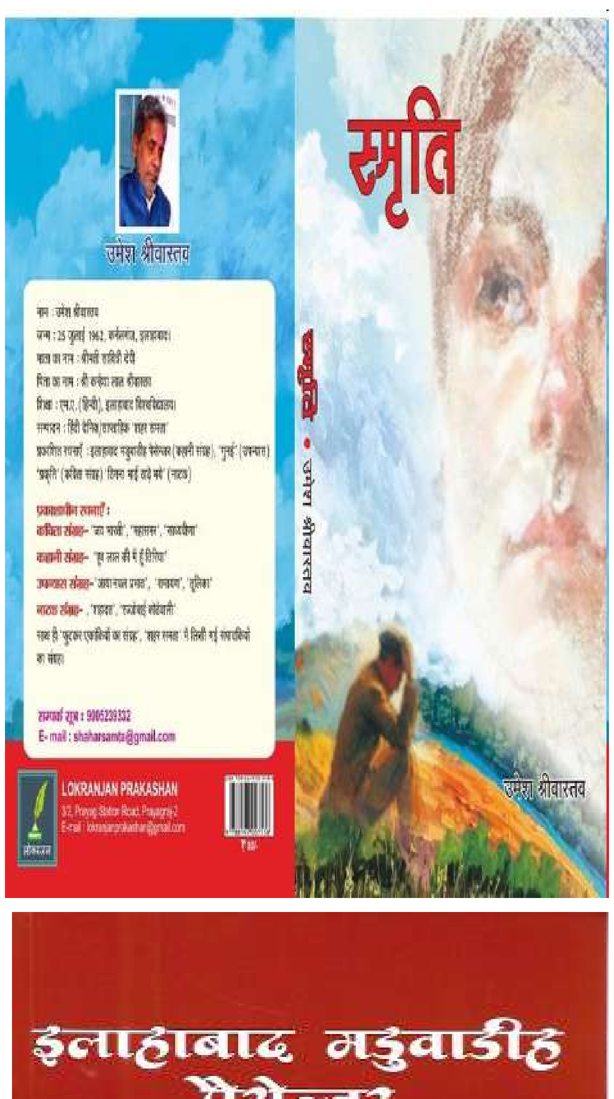

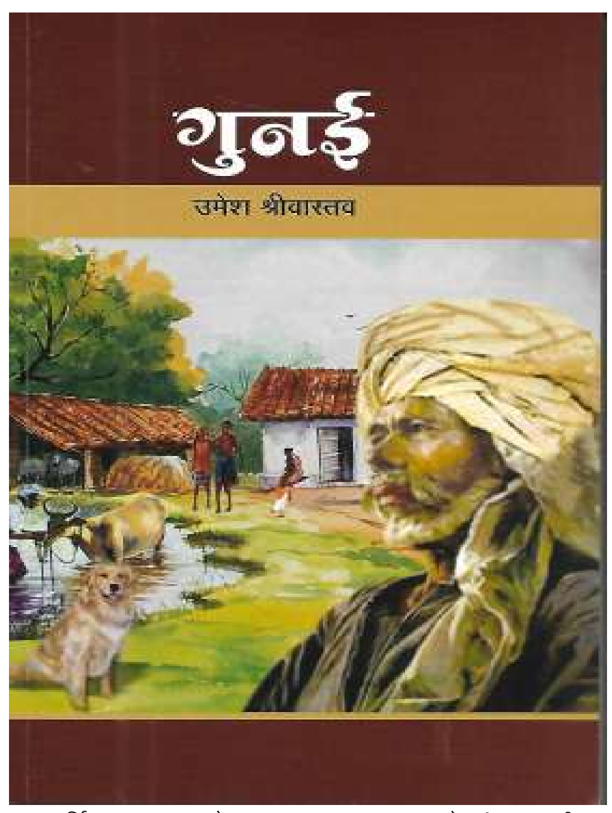

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

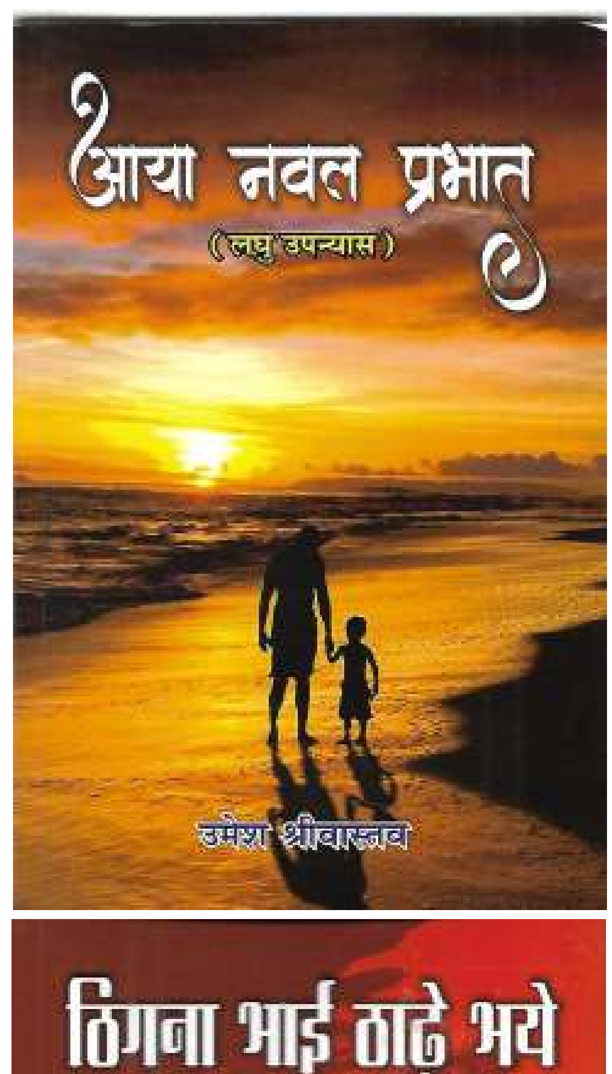

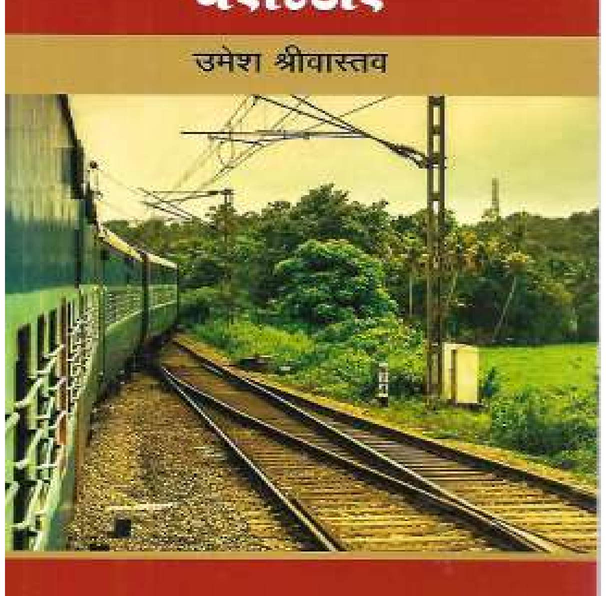

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

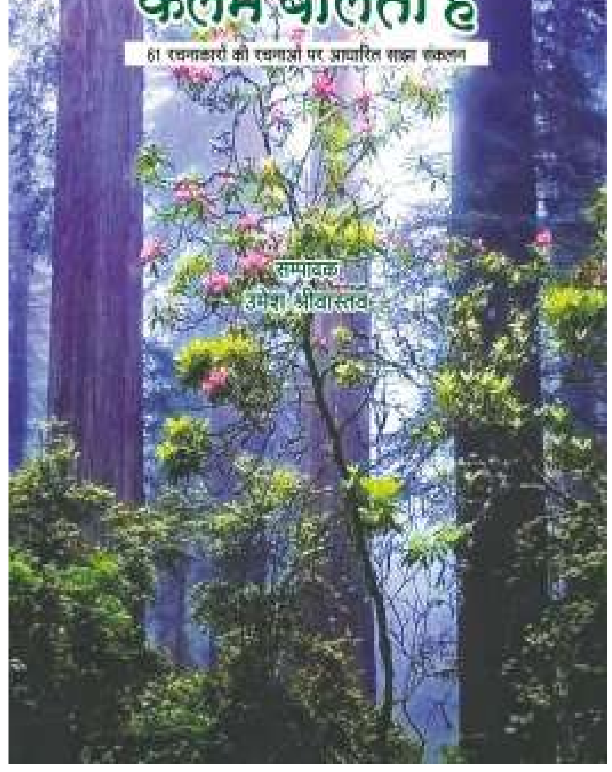

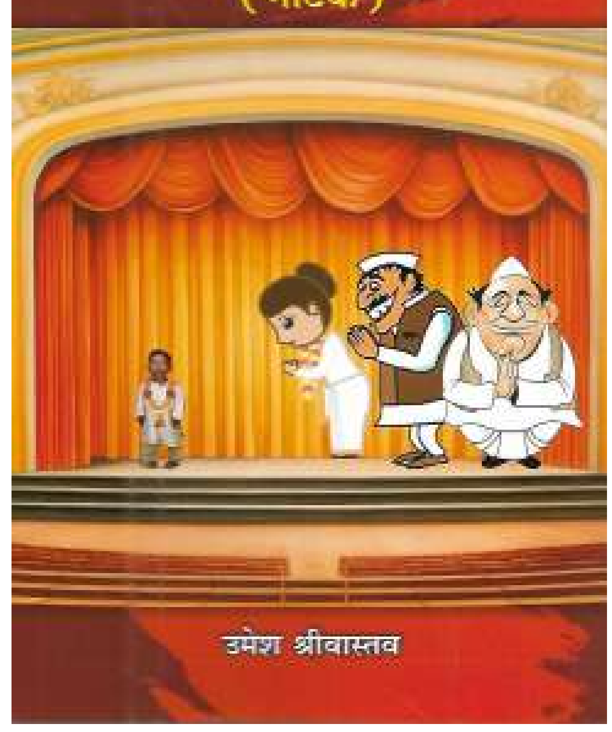

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

2000 के 6,266 करोड़ रुपये के नोट अभी भी प्रचलन में हैं, आरबीआई ने किया खुलासा

भारतीय रिजर्व बैंक के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 6,266 करोड़ रुपये मूल्य के 2,000 रुपये के नोट अभी भी प्रचलन में हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय बैंक ने दो साल पहले 2,000 रुपये के नोट बंद करने की घोषणा की थी। हालांकि, 2,000 रुपये के नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये के नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि 19 मई, 2023 को कारोबार की समाप्ति पर प्रचलन में 2,000 रुपये के नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था, जब वापसी की घोषणा की गई थी। यह 30 अप्रैल, 2025 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 6,266 करोड़ रुपये रह गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा, ष्इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक प्रचलन में मौजूद 2,000 रुपये के 98.24 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं।ष ऐसे बैंक नोटों को जमा करने और/या बदलने की सुविधा 7 अक्टूबर, 2023 तक सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। हालाँकि, यह सुविधा अभी भी रिज़र्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। 9 अक्टूबर, 2023 से, त्ठप् निर्गम कार्यालय भी व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2000 रुपये के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग देश के किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के माध्यम से 2,000 रुपये के बैंक नोट को त्ठप् द्वारा जारी किसी भी कार्यालय में अपने बैंक खातों में जमा करने के लिए भेज सकते हैं।

शेयर बाजार गुलजार, सेंसेक्स ने 800 अंक से ज्यादा की लगाई छलांग, निफ्टी 24500 के पार

छुट्टी के एक दिन बाद और हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार गुलजार दिखाई दिया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स ने 400 अंक से ज्यादा की छलांग लगाई, जबकि निफ्टी 24400 अंक के पार कारोबार करता दिखा। भारत–अमेरिका व्यापार समझौते की प्रबल संभावना, अप्रैल में रिकॉर्ड उच्च जीएसटी संग्रह और निरंतर विदेशी फंड प्रवाह के बीच शुक्रवार

को शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल आया। इसके अलावा वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख ने भी इक्विटी में सकारात्मक रुख को बढ़ावा दिया। 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क शुरुआती कारोबार में 500.81 अंक बढ़कर 80,743.05 पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 110.65 अंक बढ़कर 24,444.85 पर पहुंच गया। बाद में सेंसेक्स 816.41 अंक बढ़कर 81,064.47 अंक पर और निफ्टी 222.30 अंक चढ़कर 24,556.50 पर पहुंचा।

देश में अब तक रिकॉर्ड 256.31 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद, पिछले साल के मुकाबले 24.78% अधिक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रबी विपणन सीजन 2025–26 के दौरान केंद्रीय पूल में अब तक 256.31 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। यह पिछले साल के 205.41 लाख मीट्रिक टन से 24.78 फीसदी ज्यादा है। इस समय जिन प्रमुख राज्यों से खरीद हो रही है, उनमें उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा हैं। उत्तर प्रदेश में पिछले साल की तुलना में इस साल अधिक गेहूं खरीद हो रही है। इसमें अभी तक 7.55 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है, जो पिछली बार के 5.88 लाख मीट्रिक टन से कहीं ज्यादा है। पंजाब से 103.89 लाख मीट्रिक टन, मध्य प्रदेश से 67.57 एलएमटी, हरियाणा से 65.67 एलएमटी की खरीद हो चुकी है। राजस्थान से 11.44 एलएमटी की खरीद हुई है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि चालू रबी विपणन सत्र में अभी काफी वक्त है। इस बार देश केंद्रीय पूल के लिए गेहूं खरीद पिछले साल के आंकड़ों को काफी बड़े अंतर से पार करने की संभावना है। इसमें किसानों को 24 से 48 घंटों के भीतर भुगतान किया जा रहा है। खाद्य सचिव ने कहा, इस साल गेहूं खरीद की स्थिति सकारात्मक परिणाम खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभागों की ठोस कोशिशों का नतीजा है। राज्य विशिष्ट कार्य योजनाओं को राज्यों के साथ पहले ही साझा किया जा चुका है। गेंहू खरीद को लेकर सरकार ने खासी सजगता बरती है।

वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं– आर्थिक लचीलेपन के लिए घरेलू दक्षता के साथ प्रतिस्पर्धा भी जरूरी

कोलकाता। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोलकाता के न्यू टाउन में कॉरपोरेट भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, लचीलापन सुनिश्चित करने बनाने का सबसे प्रभावी तरीका घरेलू दक्षता के साथ–साथ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाना है। उन्होंने कहा कि अनिश्चितताओं के बावजूद वैश्विक नीति परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि व्यापार करने में आसानी (म्म व क्विपदह ठनेपदमे) के मोर्चे पर भारत में सुधार हो रहा है। यह देश को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने के दृष्टिकोण का प्रमुख घटक है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए व्यावसायिक नियमों को सरल बनाने के लगातार प्रयास कर रही है। कॉरपोरेट प्रशासन में निष्पक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देने वाले संस्थानों को मजबूत किया जा रहा है। इसके अलावा सरकार नवाचार और कौशल विकास की संस्कृति का समर्थन करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त

भारत के खौफ से पीओके में इमरजेंसी जैसे हालात, लोगों को दिया खाना एकट्ठा करने का आदेश

पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ बढ़ते तनाव के बीच, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) ने शुक्रवार को नागरिकों से खाद्यान्न का भंडारण करने का आग्रह किया है, मीडिया रिपोर्टों के अनुसार। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि पीओके के प्रधानमंत्री चौधरी अनवर उल हक ने स्थानीय विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पीओके के नागरिकों

को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ 13 निर्वाचन क्षेत्रों में दो महीने के लिए खाद्य आपूर्ति का भंडारण करने के निर्देश जारी किए गए हैं। अरब न्यूज़ ने हक के हवाले से कहा कि पीओके सरकार ने एक अरब रुपये (+3.5 मिलियन) का आपातकालीन कोष बनाया है जिसका उद्देश्य ष्खाद्य, दवाइयाँ और अन्य सभी बुनियादी ज़रूरतोंष की आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इससे पहले, स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान की राष्ट्रीय एयरलाइन ने बुधवार को सुरक्षा कारणों से गिलगित, स्कार्दू और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के अन्य उत्तरी क्षेत्रों से आने–जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी थीं। उड़ान कार्यक्रम का हवाला देते हुए, उर्दू दैनिक जंग ने बताया कि पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (च्।) ने कराची और लाहौर से स्कार्दू के लिए दो–दो उड़ानें रद्द कर दी हैं। अखबार ने विमानन स्रोतों के हवाले से कहा कि इस्लामाबाद से स्कार्दू के लिए दो उड़ानें और इस्लामाबाद से गिलगित के लिए चार उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं।

भारत से पाक नागरिकों की शुरू हुई वापसी, पाकिस्तान ने खोला अटारी-वाघा बॉर्डर

भारत के कूटनीतिक दबाव के बाद पाकिस्तान ने अटारी सीमा को फिर से खोल दिया है, जिससे केवल पाकिस्तानी पासपोर्ट धारकों को ही अपने क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति मिल गई है। छव्त् (भारत लौटने की कोई बाध्यता नहीं) वीजा धारकों, जिनमें पाकिस्तान में पारिवारिक संबंध रखने वाले भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, को अभी भी प्रतीक्षा करने के लिए कहा जा रहा है। शुक्रवार को पाकिस्तानी पासपोर्ट वाले कुछ वाहनों और पैदल यात्रियों को प्रवेश की अनुमति दी गई, जबकि कुछ भारतीय परिवारों को वैध दस्तावेज़ होने के बावजूद सीमा पर रोक दिया गया।

पाकिस्तानी नागरिकों को ले जा रहे दो से तीन वाहनों को प्रवेश की अनुमति दी गई। पिछले दिन से इंतज़ार कर रहा एक परिवार आखिरकार अपने सामान के साथ पैदल चलने वालों के एक समूह के साथ सीमा पार कर गया। इस बीच, शामली की एक भारतीय महिला, जिसकी बहन पाकिस्तान में विवाहित है, को वैध छव्त् वीज़ा और ज़रूरी दस्तावेज़ होने के बावजूद रोक दिया गया। मंजूरी का इंतज़ार कर रहे कई परिवारों के लिए स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अधिकारियों के अनुसार, भारत से बाहर निकलने की समय–सीमा एक दिन पहले समाप्त होने के बाद गुरुवार को 70 पाकिस्तानी नागरिक फंसे रह गए। अटारी–वाघा सीमा, जो 30 अप्रैल तक खुली थी, 1 मई को बंद कर दी गई, जिससे सीमा पार से किसी भी तरह की आवाजाही पर रोक लग गई। भारत सरकार ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को श्भारत छोड़ोश नोटिस जारी किया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे – जिनमें से ज़्यादातर पर्यटक थे। इस हमले का संबंध पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों से था। नए निर्देशों के तहत, सार्क वीजा रखने वालों को 26 अप्रैल तक भारत छोड़ना ज़रूरी था। मेडिकल वीज़ा धारकों के लिए, समय–सीमा 29 अप्रैल थी, जबकि 12 अन्य वीज़ा श्रेणियों – जिसमें व्यवसाय, पत्रकारिता, फ़िल्म, पर्यटन, छात्र और तीर्थयात्रा शामिल हैं – के लिए समय–सीमा 27 अप्रैल थी।

मई दिवस पर फ्रांस में ये क्या हुआ? पेरिस में क्यों भिड़े पुलिस और प्रदर्शनकारी

फ्रांसीसी पुलिस और मई दिवस प्रदर्शनकारियों के बीच पेरिस में हिंसक झड़प हो गई। मजदूर दिवस के अवसर पर 100,000 से अधिक लोग अंतर्राष्ट्रीय शांति, सामाजिक न्याय और बढ़ते दक्षिणपंथी प्रभाव के प्रतिरोध के समर्थन में मार्च करने के लिए राजधानी में एकत्र हुए थे। पुलिस ने गुरुवार को राजधानी में प्रदर्शनकारियों के साथ हाथापाई की। हाथापाई तब शुरू हुई जब प्रदर्शनकारी सोशलिस्ट पार्टी के उग्रवादियों के पास से गुजरे, जिन्हें प्रदर्शन स्थल से चले जाने को कहा गया था, जिनमें एक सांसद जेरोम गुएज भी शामिल थे। जनरल कन्फ़ेडरेशन ऑफ़ लेबर (ब्ळज्) ने अनुमान लगाया कि वेतन वृद्धि और पेंशन सुधार को निरस्त करने की मांग को लेकर देश भर में 300,000 लोग विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। दूर–दराज़ के राजनीतिक दल ला फ़्रांस इनसोमिस ने कहा कि अकेले पेरिस में 250,000 लोगों ने प्रदर्शन किया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

तीसरे खिलाड़ी ने पाकिस्तान में कर दिया तख्तापलट, कैसे किनारे लगा दिए गए शहबाज-मुनीर?

पहलगाम में पाकिस्तान ने जो किया उसके बाद से भारत क्या करेगा? इस बात को सोच सोच कर पाकिस्तान परेशान है। कहा जा रहा है कि आसिम मुनीर अंडरग्राउंड हैं और चुनी हुई सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले शहबाज शरीफ को भी एक तरह से सरकार से बेदखल कर दिया गया है। वहीं आईएसआई के चीफ को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया गया है। जिसके बाद कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। अभी ऑफिशियल नहीं लेकिन अनऑफिशियल तौर पर तख्तापलट पाकिस्तान में हो गया है। आसिम मुनीर का नहीं पता कहां हैं और शहबाज शरीफ की हेल्थ को लेकर भी बीते दिनों खबर आ चुकी है। इस वक्त हर कोई ढूंढ़ रहा है कि शहबाज शरीफ इस वक्त कहां हैं। तीन दिन पहले ही हमने आपको शहबाज शरीफ के आर्मी हॉस्पिटल में एडमिट होने की बात बताई थी। लेकिन इसके बाद से कोई नया अपडेट सामने नहीं है। इसके अलावा आर्मी चीफ को लेकर भी बीते कुछ दिनों से कोई पता नहीं है। इसके अलावा पाकिस्तान में इस वक्त सारे फैसले आर्मी ले रही है। आखिरी बार पाकिस्तान में लोकतांत्रिक रूप से मीटिंग हुई थी जिसमें ख्वाजा आसिफ, आसिम मुनीर, पीएम शहबाज शरीफ थे। लेकिन इस मीटिंग के पांच दिन गुजर चुके हैं। लेकिन उस मीटिंग में शामिल दो शख्स शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर का कोई पता नहीं है। आरोप ये लग रहा हैकि शहबाज शरीफ को किनारे कर दिया गया है। आर्मी का कहना है कि जो करना होगा हम करेंगे। वहां के आर्मी चीफ और शहबाज शरीफ के बीच विवाद की भी खबरें सामने आई है। शहबाज शरीफ को ये पता है कि पहलगाम का सारा ऑपरेशन आसिम मुनीर ने करवाया। कल को युद्ध होता है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। इस बात से आसिम मुनीर नाराज हैं। फिर उसके बाद शहबाज शरीफ भी नदारद नजर आ रहे हैं। आखिरी बार खबर आई थी कि नवाज शरीफ ने उन्हें सला दिया है कि भारत के साथ तनाव न बढ़ाएं और बातचीत से मसला हल करें। आर्मी लेकिन ऐसा नहीं चाहती। आर्मी की इच्छा है कि तनाव बढ़ने से आर्मी पर भरोसा बढ़ेगा। वहीं बीते दिन आईएसआई चीफ के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी डाल दी गई है। आसिम मलिक को नया राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बना दिया गया है। जैसे हमारे यहां अजित डोभाल हैं वैसे ही पाकिस्तान में आसिम मलिक को आईएसआई चीफ से अब एनएसए बना दिया गया है। अक्टूबर 2024 में आईएसआई प्रमुख की भूमिका संभालने वाले लेफ्टिनेंट जनरल मलिक पाकिस्तान के दसवें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बन गए हैं। अप्रैल 2022 में डॉ. मोईद यूसुफ के जाने के बाद यह पद दो साल तक खाली रहा था, जब पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ सरकार को सत्ता से हटा दिया गया था। वहीं लेफटिनेंट जनरल की नियुक्ति बताती है कि पाकिस्तान फौज ने हर क्षेत्र में कंट्रोल ले लिया है। अभी तक पाकिस्तान आर्मी पावरफुल थी। लेकिन सीविलियन सरकार भी हर बातचीत में शामिल रहती थी। लेकिन अब सरकार की तरफ से एनएसए बात करेंगे। मतलब सुरक्षा से जुड़े किसी भी मुद्दे पर मीटिंग होगी तो आसिम मुनीर और आसिम मलिक बैठेंगे। यानी शहबाज शरीफ अपने आप किनारे लगा दिए गए हैं।

भारत आ रहे 150 ट्रकों से डरा पाकिस्तान, टूट पड़ा तालिबान

जिस वक्त भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। एक छोटी सी चिंगारी जंग भड़का सकती है। ठीक उसी वक्त पाकिस्तान से 150 ट्रक भारत की सीमा में घुसने की तैयारी कर रहे हैं। पाकिस्तान इन 150 ट्रकों से इतना डर गया है कि हार मानकर इन्हें भारत भेजने का ऐलान कर दिया है। आपको बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच एक जबरदस्त खेल हुआ है। इस खेल में तीन किरदार तालिबान, 150 ट्रक और पानी वाली सर्जिकल स्ट्राइक ये तीनों एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। दरअसल, पहलगाम हमले के बाद भारत पाकिस्तान पर ताबड़तोड़ डिप्लोमैटिक हमले कर रहा है। पानी बंद करना और अटारी बार्डर को बंद करना इनमें सबसे प्रमुख फैसले रहे हैं। भारत ने 25 अप्रैल के दिन अटारी–वाघा सीमा बंद कर दी। लेकिन इस फैसले के चलते अफगानिस्तान से भारत आ रहे 150 ट्रक पाकिस्तान में फंस गए। अफगानिस्तान अमूमन भारत को सामान एक्सपोर्ट करने के लिए अमूमन पाकिस्तान से होकर आता है। लेकिन भारत ने सीमा बंद कर दी और ये ट्रक पाकिस्तान में फंस गए। सूत्रों की माने तो ऐसे में पाकिस्तान ने मौके का फायदा उठाते हुए इन ट्रकों और इनमें भरे सामानों पर कब्जा करने की कोशिश की। रिपोट्र्स के मुताबिक पाकिस्तान ने ट्रक वालों को परेशान करना शुरू कर दिया। शायद भिखारी मुल्क पाकिस्तान की नजर ट्रक में रखे करोड़ों के सामान पर थी। पाकिस्तान इन ट्रक वालों को इसलिए भी परेशान कर रहा होगा क्योंकि अफगानी तालिबान ने पहलगाम हमले की निंदा की थी। लेकिन फिर अचानक एक ऐसी तस्वीर आ गई कि जिसने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए। पाकिस्तान को डर लग गया कि भारत की तरह अफगानिस्तान भी नदियों का पानी रोकने वाला है। अब आपको सिलसिलेवार ढंग से सब बताते हैं। 22 अप्रैल को पाकिस्तान ने पहलगाम में हमला करवाया। 23 अप्रैल को अफगानिस्तान के तालिबान शासन ने हमले की निंदा कर दी। अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात का विदेश मंत्रालय जम्मू और कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में पर्यटकों पर हाल ही में हुए हमले की कड़ी निंदा करता है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। ऐसी घटनाएं क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के प्रयासों को कमजोर करती हैं। फिर 25 अप्रैल को भारत ने बॉर्डर बंद कर दिया और इसी फैसले के बाद ये ट्रक पाकिस्तान में फंस गए थे। 27 अप्रैल को अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने काबुल में भारतीय विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव आनंद प्रकाश से मुलाकात कर ली। जाहिर सी बात है कि भारत और अफगानिस्तान ने पहलगाम, पाकिस्तान और इन ट्रकों पर बात की होगी। लेकिन सूत्रों के मुताबिक इस मुलाकात में एक और ऐसी बात हुई जिसने पाकिस्तान को हिला कर रख दिया। दरअसल, तालिबान ने भारत से अफगानिस्तान में कुछ रुके हुए प्रोजेक्ट्स को दोबारा शुरू करने की बात कही है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में अफगानिस्तान की नदियों पर बांध बनाना है। ये डैम उन नदियों पर बनने हैं जिनका पानी अफगानिस्तान से पाकिस्तान जाता है।

रोक रहा था अमेरिका, जयशंकर बोले- बदला तो लेकर ही रहेंगे

पहलगाम के आतंकी हमले के बाद भारत के एक्शन को लेकर पूरी दुनिया में हड़कंप मचा है। भारत अगला कदम क्या उठाने वाला है ये पूरी दुनिया जानना चाहती है। दुनियाभर के देश भारत को समझाने और शांत करने की कोशिशों में जुटे हैं। संयुक्त राष्ट्र से लेकर कई और देश भारत से लगातार आग्रह कर रहे हैं कि स्थिति को तनावपूर्ण न बनाए। लेकिन भारत आतंकवादियों का सफाया चाहता है। भारत अपने देश के नागरिकों की मौत का बदला चाहता है। नजीतन भारत अपने संकल्प पर बना हुआ है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के एक्शन को लेकर घबराहट अमेरिका के मन में भी है। नतीजन अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत से बात करने की कोशिश की। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत से शांति बनाए रखने के लिए कहा तो भारत की तरफ से ये साफ हो गया कि भारत क्या चाहता है। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपना पक्ष रखते हुए बता दिया कि भारत किसी भी कीमत पर आतंकियों का सफाया चाहता है और वो अपने संकल्प पर बने रहेगा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत क्या एक्शन प्लान तैयार कर रहा है।

अमेरिका भी ये जानना चाहता है कि भारत का अगला कदम क्या होगा। एस जयशंकर ने एक्स पर कहा कि कल अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा की। इसके दोषियों, उनका सहयोग करने वालों और साजिश रचने वालों को न्याय के दायरे में लाया जाना चाहिए। जयशंकर–रुबियो की यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आतंकवादियों के तार सीमा पार से जुड़े होने के मद्देनजर भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई किए जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। इससे पहले, अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा था कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने आज भारतीय विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर से बात की। सचिव ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति दुख व्यक्त किया और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। उन्होंने भारत को तनाव कम करने और दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान से भी संपर्क किया है और उनसे ष्स्थिति को और न बढ़ानेष के लिए कहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने प्रेस को बताया कि हर दिन कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में, सचिव भारत और पाकिस्तान में अपने समकक्षों से सीधे बात कर रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं... उन्होंने जिन लोगों से बात की है, उन पर उनका जो प्रभाव पड़ा है, और निश्चित रूप से राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में, भारत और पाकिस्तान के बीच ऐसी बातचीत हो रही है। यह उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

भारत के नॉर्थ ईस्ट को लेकर बांग्लादेश ने पाकिस्तान को क्या सुझाव दे दिया? चीन का साथ लेने की सलाह

बांग्लादेश के सेवानिवृत्त मेजर जनरल एएलएम फजलुर रहमान ने सुझाव दिया कि यदि भारत पाकिस्तान पर हमला करता है तो उनके देश को भारत के सभी सात पूर्वोत्तर राज्यों पर आक्रमण कर उन पर कब्जा कर लेना चाहिए। यह जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का बदला है जिसमें 26 लोग मारे गए थे। बांग्लादेश राइफल्स (अब बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) के पूर्व प्रमुख रहमानबांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद

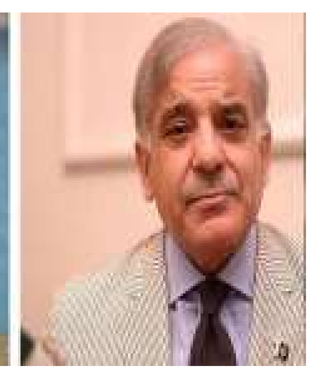

यूनुस का करीबी माना जाता है। इस ख्वाब वाले मंसबू को आकार देने के लिए रहमान ने चीन के साथ सहयोग की भी बात कही है। रहमान ने फेसबुक पर बंगाली भाषा में लिखा कि अगर भारत पाकिस्तान पर हमला करता है, तो बांग्लादेश को पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों पर कब्ज़ा करना होगा। इस संबंध में, मुझे लगता है कि चीन के साथ संयुक्त सैन्य व्यवस्था पर चर्चा शुरू करना ज़रूरी है। रहमान की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब नई दिल्ली और ढाका मतभेदों को दूर करने और द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं, जो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में शरण लेने और देश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ लक्षित हमलों की भारत की चिंताओं के बाद नए निचले स्तर पर पहुँच गए हैं। मार्च में चीन की अपनी यात्रा के दौरान मुहम्मद यूनुस द्वारा भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर टिप्पणी किए जाने से भी तनाव में वृद्धि हुई। यूनुस ने कहा कि भारत के सात राज्य, भारत का पूर्वी भाग, सात बहनें कहलाते हैं। वे भारत के एक भू–आबद्ध क्षेत्र हैं। उनके पास समुद्र तक पहुँचने का कोई रास्ता नहीं है।ष उन्होंने बांग्लादेश को इस क्षेत्र में समुद्र का एकमात्र संरक्षकष्कहा और कहा कि यह एक बड़ा अवसर हो सकता है, चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार हो सकता है।

हां, हमने आतंकवादी पाले... रक्षा मंत्री के बाद अब बिलावल ने भी की गलती कबूल, लेकिन क्या पाकिस्तान सुधारेगा अपनी भूल?

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत–पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने अपने देश की आतंकवादियों के साथ मिलीभगत को स्वीकार किया है। इस बात पर जोर दिया है कि पाकिस्तान का अतीत रहा है। हाल ही में रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी पाकिस्तान के आतंकवादी समूहों के साथ संबंधों को स्वीकार किया है। इससे पहले, एक समाचार चौनल से बातचीत में आसिफ ने इस्लामाबाद द्वारा आतंकवादी समूहों को समर्थन और धन मुहैया कराने की बात स्वीकार की थी।

भुट्टो ने गुरुवार को स्काई न्यूज

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।